ssnewsmp | SSNewsmp | ssnewsmp | Telegram - ssnewsmp | Android App - SSNews India | website;www.ssnewsmp.com

उज्जैन ,इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

शब्द सरोवर

जहाँ खबर,वहाँ नजर

सांध्य दैनिक

वर्ष 31 अंक-322 | उज्जैन,सोमवार 01 अप्रैल 2024 | पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपए

1 अप्रैल से 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर पर घटे 30.50 रुपए

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को रसोई गैस के दामों की समीक्षा करती हैं। ताजा खबर यह है कि 1 अप्रैल को हुई समीक्षा में 19 किलो वाले कमर्शियल रसोई गैस सिलेंडर के दाम 30 रुपए 50 पैसे घटाए गए हैं।

15 अप्रैल तक तिहाड़ में रहेंगे अरविंद केजरीवाल

जेल में स्पेशल डाइट, गीता और रामायण मांगी,हाई कोर्ट में भी बुधवार को अहम सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति कांड में मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। केजरीवाल को तिहाड़ जेल में रखा जाएगा। सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने यह आदेश दिया।

जेल भेजे जाने से पहले केजरीवाल की ओर से जेल में स्पेशल डाइन (सेहत को देखते हुए), दवाएं, पुस्तकें, गीता-रामायण और जपने के लिए माला की मांग की गई। साथ ही पत्नी सुनीता के साथ ही मंत्री आतिशी से भी मिलने की अनुमति दी है। पिछली सुनवाई में राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल की रिमांड 1 अप्रैल तक बढ़ा दी थी, जो आज खत्म हो गई।केजरीवाल की ओर से अब तक जमानत की अर्जी दाखिल नहीं की गई है। माना जा रहा है कि केजरीवाल जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं।

आज की सुनवाई के दौरान ईडी ने और रिमांड मांगने से इनकार करते हुए आरोप लगाया कि केजरीवाल जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। इसके साथ ही ईडी ने केजरीवाल को न्यायिक हिरासत में भेजने की मांग की। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने का मतलब है कि केजरीवाल को तिहाड़ जेल भेजा गया।सुनवाई के लिए केजरीवाल की पत्नी सुनीता भी कोर्ट में मौजूद रहीं। कोर्ट ले जाते समय अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नरेंद्र मोदी जो कर रहे हैं, वो देश के लिए ठीक नहीं है।अरविंद केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। 22 मार्च को कोर्ट में पेश किया गया था, जहां 28 मार्च तक कस्टडी में भेज दिया गया था। 28 मार्च को हुई सुनवाई में कोर्ट ने रिमांड 1 अप्रैल तक बढ़ा दी थी।पिछली सुनवाई में खुद केजरीवाल ने अपनी बात कोर्ट के सामने रखी थी। पत्नी सुनीता केजरीवाल ने दावा किया था कि केजरीवाल बड़ा खुलासा करेंगे, हालांकि ऐसा कुछ नहीं हुआ। केजरीवाल ने वो ही बातें कहीं, जो उनके वकील कह चुके हैं।इस बीच, केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट का रुख भी किया है। उनका तर्क है कि जांच एजेंसी ने उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया है। कोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी कर 2 अप्रैल तक जवाब मांगा था। सुनवाई 3 अप्रैल को फिर शुरू होगी।

पूर्णिया सीट पर अड़े पप्पू यादव, लालू यादव से कर दी भावुक अपील, अब 4 अप्रैल को करेंगे नामांकन

पटना। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए राजद के पूर्व सांसद पप्पू यादव ने कहा कि वह बिहार की पूर्णिया सीट से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगे और 4 अप्रैल को अपना नामांकन दाखिल करेंगे। पहले 2 अप्रैल को वह नामांकन करने वाले थे। उन्होंने लालू यादव के लिए एक संदेश भी दिया है। उन्होंने कहा कि मैं बस लालू यादव को बताना चाहता हूं कि मैं आपके परिवार का सदस्य हूं। जब भी लालू का परिवार संकट में रहा है, मैं वहां गया हूं। इसके साथ ही उन्होंने अपनी ताकत का भी एहसास कराने की कोशिश की है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मधेपुरा, सुपौल या गठबंधन की राजनीति मेरे लिए व्यक्तिगत नहीं है। पूर्णिया की जनता किसी की गुलाम नहीं है। वे पटना और दिल्ली की राजनीति से दूर हैं और वे अपने बेटे से प्यार करते हैं, दिल्ली और पटना में रहने वालों से नहीं। आपको बका दें कि 20 मार्च को अपनी पार्टी का विलय कांग्रेस में करने वाले पप्पू यादव अब अपने फैसले पर पछताते दिख रहे हैं। वह लगातार लालू यादव से पूर्णिया सीट छोड़ने की अपील कर रहे हैं।

घोषणा पत्र समिति की बैठक आज

सीएम मोहन यादव और शिवराज पहुंचे दिल्ली

भोपाल। भाजपा की घोषणा पत्र समिति (संकल्प पत्र) को लेकर नई दिल्ली में सोमवार को केंद्रीय नेतृत्व बैठक है। समिति में मप्र से दो सदस्य मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी सदस्य बनाए गए हैं। वे मध्य प्रदेश की जनता से विभिन्न माध्यमों से लिए गए सुझावों को लेकर दिल्ली की बैठक में जानकारी देंगे। सीएम और शिवराज बैठक में भाग लेने दिल्ली पहुंच गए हैं।शिवराज और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को सुबह दिल्ली पहुंचे और वहां से लोटकर सीधे छिंदवाड़ा पहुचेंगे। वे यहां पार्टी प्रत्याशी विवेक बंटी साहू के समर्थन में चुनावी प्रचार भी करेंगे।मुख्यमंत्री इसके पहले दिल्ली में लोकसभा चुनाव को लेकर वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक में भाग लेंगे। तीन बजे दिल्ली से छिंदवाड़ा के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री छिंदवाड़ा के चौरई विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार में भाग लेंगे और शाम को चौरई से शाहपुरा चांद पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे।मुख्यमंत्री रात्रि में आयोजित प्रबुद्धजन कार्यक्रम में भाग लेंगे और रात्रि विश्राम छिंदवाड़ा में ही करेंगे। दो अप्रैल को छिंदवाड़ा में सुबह नौ बजे समाज के प्रमुख लोगो के साथ चर्चा करेंगे और इसके बाद रीवा रवाना होंगे।

ज्ञानवापी के तहखाने में पूजा रुकवाने की मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

नई दिल्ली। वाराणसी स्थित ज्ञानवापी तहखाने में हिंदू पक्ष की पूजा के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने याचिका दायर की है। इस पर सोमवार को सुनवाई होना है। अंजुमन मसाजिद इंतजामिया कमेटी ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की है।बता दें, पहले वाराणसी जिला अदालत और फिर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने विवादित ढांचे के दक्षिणी छोर पर स्थित व्यास जी के तहखाने में हिंदुओं को पूजा-अर्चना करने की अनुमति दी है।26 फरवरी को हाई कोर्ट ने पूजा की अनुमति दी थी। इसके बाद रातों-रात पूजा की व्यवस्था की गई और तब से पूजा जारी है।काशी विश्वनाथ मंदिर की ओर से नामित हिंदू पुजारी और याचिकाकर्ता शैलेंद्र कुमार पाठक का कहना है कि उनके परनाना सोमनाथ व्यास दिसंबर, 1993 तक इस तहखाने में पूजा-अर्चना करते थे। छह दिसंबर, 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने तहखाने में पूजा बंद करवा दी थी।सुनवाई अदालत के समक्ष मुस्लिम पक्ष का दावा था कि तहखाने में कभी कोई मूर्ति थी ही नहीं। इसलिए 1993 तक वहां पूजा होने का सवाल ही नहीं उठता है।

धार भोजशाला में 11 वें दिन भी सर्वे, सुप्रीम कोर्ट ने रोक से किया इनकार

धार। धार की ऐतिहासिक भोजशाला में 11 वें दिन का सर्वे चल रहा है। सोमवार को भी निर्धारित समय पर सर्वे दल पहुंचा और उसने सर्वे शुरू कर दिया है। इस बीच मुस्लिम पक्ष द्वारा सुप्रीम कोर्ट में लगाई याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। इस सुनवाई में मुख्य रूप से मुस्लिम पक्ष ने मांग की गई थी कि सर्वे पर रोक लगाई जाए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इससे इनकार कर दिया है।सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि एएसआई की रिपोर्ट के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। इसके साथ ही वहां ऐसी कोई फिजिकल खुदाई न की जाए जिससे धार्मिक चरित्र को नुकसान पहुंचे। सर्वे चलता रहे लेकिन ऐसी कोई कार्रवाई न हो जिससे धार्मिक ढांचे में बदलाव आ जाए।

पिछले 10 साल में जो हुआ, वो तो सिर्फ ट्रेलर है, आरबीआई के कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी, जब नीयत सही हो, तो नीति भी सही होती है

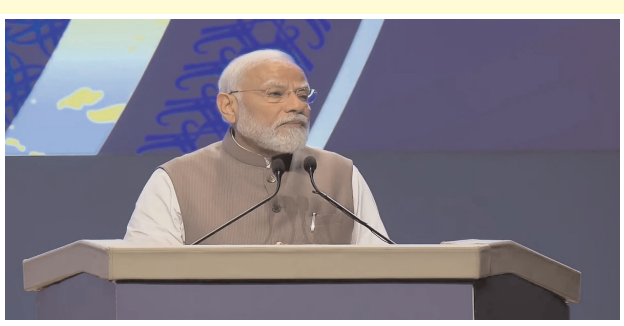

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आरबीआई दुनिया भर में अपने पेशेवर रवैये और प्रतिबद्धता के लिए पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि देश की जीडीपी मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों के बीच समन्वय पर निर्भर है। मोदी ने कहा कि एक दशक पहले बैंकिंग क्षेत्र गहरे वित्तीय संकट में था, लेकिन अब बैंक मुनाफे में हैं और ऋण वृद्धि रिकॉर्ड स्तर पर है। उन्होंने कहा कि भारतीय बैंकिंग क्षेत्र का बदलाव शोध का एक विषय है, सरकार ने पीएसयू बैंकों के पुनरुद्धार के लिए उनमें 3.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारतीय रिजर्व बैंक के 90वें वर्ष के उपलक्ष्य में एक विशेष सिक्का जारी किया।मोदी ने कहा कि आज आरबीआई एक ऐतिहासिक मुकाम पर पहुंच गया है। इसने अपने 90 साल पूरे कर लिए हैं। एक संस्था के रूप में, आरबीआई ने स्वतंत्रता-पूर्व और स्वतंत्रता-पश्चात दोनों समय देखे हैं। आज आरबीआई अपनी व्यावसायिकता और प्रतिबद्धता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। मैं आरबीआई के 90 वर्ष पूरे होने पर आप सभी को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि आरबीआई से जुड़े लोग बहुत भाग्यशाली लोग हैं। आज वे जो नीतियां बनाते हैं, वे आरबीआई के अगले दशक के लिए रास्ता तय करेंगी। यह वह दशक है जो आरबीआई की शताब्दी का कारण बनेगा। यह दशक विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए भी महत्व रखता है।उन्होंने कहा कि आज भारत के बैंकिंग सिस्टम को दुनिया में एक मजबूत और टिकाऊ प्रणाली माना जा रहा है। जो बैंकिंग सिस्टम कभी डूबने की कगार पर था, वो बैंकिंग सिस्टम अब प्रॉफिट में आ गया है और credit में रिकॉर्ड वृद्धि दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि आज देश देख रहा है- जब नीयत सही होती है, तो नीति सही होती है। जब नीति सही होती है, तो निर्णय सही होते हैं। और जब निर्णय सही होते हैं, तो नतीजे सही मिलते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में जो हुआ, वो तो सिर्फ ट्रेलर है। अभी तो बहुत कुछ करना है, अभी तो हमें देश को बहुत आगे लेकर जाना है।

जून में सहायक प्राध्यापक, राज्य और वन सेवा की परीक्षा की तारीख तय

इंदौर। लोकसभा चुनाव को लेकर मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) को अपनी आगामी सारी परीक्षाएं रिशेड्यूल करना पड़ी है। निर्वाचन कार्यों में अधिकारियों की ड्यूटी होने के चलते अप्रैल-मई में एक भी परीक्षा नहीं रखी है। ये सारी परीक्षाएं जून से करवाई जाएगी।वैसे जून में तीन परीक्षाएं रखी गई है, जिसमें आठ विषयों में 820 से अधिक रिक्त पदों के लिए सहायक प्राध्यापक की परीक्षा होगी, जो 9 जून को रखी गई है। वैसे इन दिनों सहायक प्राध्यापक में उन उम्मीदवारों से आवेदन मांगवाएं जाएंगे, जिन्हें अतिथि विद्वान का अनुभव व दस वर्ष की आयु सीमा से वंचित रखा गया था। बिना विलम्ब शुल्क के आवेदन 5 से 13 अप्रैल तक किए जा सकेंगे। हालांकि सहायक प्राध्यापक के साथ ही 129 खेल अधिकारी और 200 ग्रंथपाल के पद रखे है।

आज से शुरू होगा नया शिक्षा सत्र

स्कूलों में मनेगा प्रवेश उत्सव, टीका लगाकर विद्यार्थियों का होगा स्वागत

इंदौर। शिक्षा सत्र 2024-25 सोमवार से शुरू होने जा रहा है। सुबह तय समय स्कूल खुल जाएंगे। आने वाले विद्यार्थियों को तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। प्रवेश उत्सव के तहत अलग-अलग आयोजन होंगे। इसके साथ सोमवार को ही कक्षा नौवीं और 11वीं का परीक्षा परिणाम भी जारी कर दिया जाएगा।

नए शिक्षा सत्र के साथ ही सोमवार से कक्षाएं लगना शुरू हो जाएंगी। सप्ताहभर में पुस्तकों का वितरण भी शुरू हो जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी मंगलेश व्यास ने बताया कि सोमवार से माशिमं से मान्यता प्राप्त निजी और सरकारी स्कूलों में नया शिक्षा सत्र शुरू हो जाएगा। पहले दिन प्रवेश उत्सव मनाया जाएगा। इसमें विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। स्कूलों को भी सजाने के लिए कहा गया है। स्कूलों का समय पहले के अनुसार ही रहेगा।

सीएम राइस स्कूलों में छह अप्रैल तक प्रवेश प्रक्रिया जारी रहेगी।मल्हाराश्रम के प्राचार्य देवेंद्र रामिश ने बताया कि सोमवार को प्रवेश उत्सव मनाया जाएगा। मंगलवार से कक्षाएं संचालित की जाएंगी। नए प्रवेश की प्रक्रिया भी छह अप्रैल तक पूरी कर ली जाएगी।

इसी तरह सीएम राइस स्कूलों में स्कूल बस सेवा भी शुरू हो जाएगी।छह से 23 मार्च तक आयोजित हुई नौवीं और 11वीं की परीक्षाओं के परिणाम सोमवार सुबह 10.30 बजे स्कूलों में ही जारी किए जाएंगे।

बता दें कि इस बार परीक्षा में नौवीं में करीब 17 हजार और 11वीं में 15 हजार परीक्षार्थी शामिल हुए थे।

इंदौर में गंदगी में तैयार हो रहा था बेसन, दो कारखानों पर कार्रवाई

इंदौर। खाद्य विभाग ने रविवार को कार्रवाई करते हुए बेसन आदि का निर्माण करने वाले दो कारखानों को बंद कर दिया। दोनों कारखानों में गंदगी के बीच बेसन आदि का निर्माण किया जा रहा था। यहां से लगभग 10 लाख 70 हजार कीमत का 19 हजार 500 किलो खाद्य पदार्थ जब्त किया गया।खाद्य विभाग के दल ने रविवार को पालदा स्थित शरद उद्योग का आकस्मिक निरीक्षण किया। यहां पर गंदगी के बीच बेसन का निर्माण किया जा रहा था। चना दाल के साथ ही अन्य दालों का भी भारी मात्रा में संग्रहण किया गया था।

दल को आशंका हुई कि बेसन में अन्य दालों को मिलाया जा रहा है। इस पर बेसन के दो नमूने और चना टुकड़ी का एक नमूना जांच के लिए लिया।इसी तरह श्री मंशा इंडस्ट्रीज पालदा का निरीक्षण भी किया गया। यहां भी बेसन बनाया जा रहा था। अन्य तरह की दाल का स्टाक मौजूद था। दल ने यहां से आठ नमूने जांच के लिए लिए। दोनों जगहों पर अत्यंत गंदगी, कर्मचारियों के मेडिकल सर्टिफिकेट न होना, खाद्य पदार्थों की टेस्टिंग रिपोर्ट न होना आदि खामियां मिलीं। दोनों फार्मों में खाद्य पदार्थों का प्रोडक्शन कार्य बंद कर दिया गया है। सभी नमूनों को जांच के लिए भोपाल लैब भेजा गया है।

इंदौर रेलवे पुलिस ने नीदरलैंड्स के नागरिक के ट्रेन में गुम हुए पर्स, पासपोर्ट व सामान को खोजा

इंदौर। नीदरलैंड्स के विल हेल्मस डिक्रोस व डरकीना रोटर्स ने इंदौर की ऐतिहासिक गेर को राजवाड़ा पर देखा और वे इस आयोजन में शामिल हुए। शनिवार को जयपुर से अपने मित्र शरद गोयल के साथ ट्रेन से इंदौर आए। इंदौर में अपने गंतव्य पर पहुंचने के बाद विल हेल्मस डिक्रोस का लेडिस पर्स ट्रेन में कहीं छूट गया है। इस पर्स में उनका पासपोर्ट, मंहगा मोबाइल व अन्य कीमती सामान रखा हुआ था।इस संबंध में विदेशी नागरिकों ने थाना जीआरपी इंदौर पहुंचकर पर्स गुम होने की सूचना दी। उनकी सूचना के बाद मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए जीआरपी के थाना प्रभारी संजय शुक्ला ने एक टीम की टीम ने तत्काल ही खए हुए सामान की ट्रेन में खोज में लगाया। टीम द्वारा रेलवे यार्ड में खड़े जयपुर इंदौर ट्रेन के खाली रैक की सघन चैकिंग कर पर्स व उसमें रखे सामान ट्रेन में खोज लिया गया।जीआरपी की टीम ने गुम समस्त सामान विदेशी नागरिक विल हेल्मस डिक्रोस को विधिवत सुपुर्द किया गया। जीआरपी इंदौर की इस सक्रियता एवं कार्यवाही की विदेशी मेहमान विल हेल्मस डिक्रोस, डरकीना रोटर्स निवासी नीदरलैंड्स व उनके दोस्त शरद गोयल निवासी मुंबई द्वारा प्रशंसा की गई और धन्यवाद दिया गया। जांच दल में शामिल आरक्षक राजकुमार कैथवास की अहम भूमिका के कारण रेल पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने उन्हें पुरस्कृत करने के निर्देश दिए।

हादसे में माता-पिता को खोने वाले बेटों को न्यायालय ने दिलवाए 59 लाख रुपये

इंदौर। सड़क हादसे में माता-पिता को खोने वाले वयस्क बेटों को इंदौर जिला न्यायालय ने 59 लाख रुपये बतौर क्षतिपूर्ति दिलवाए। न्यायालय ने मामले में मृतक के आयकर रिटर्न को महत्वपूर्ण साक्ष्य माना और इसके आधार पर मृतक की आय की गणना की।हादसा 31 मार्च 2021 को हुआ था। कोदरिया राम नगर निवासी श्याम मुकाती मोटरसाइकिल से पत्नी प्रेमबाई के साथ इंदौर जा रहे थे। राऊ गोल चौराहे पर ट्रक (आरजे 14-जीजे 5231) के चालक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पति-पत्नी मोटरसाइकिल से गिर पड़े। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।श्याम और प्रेमबाई के माता-पिता और बेटों ने ट्रक का बीमा करने वाले कंपनी के खिलाफ एडवोकेट राजेश खंडेलवाल के माध्यम से क्षतिपूर्ति दिलवाए जाने के लिए प्रकरण प्रस्तुत किया। एडवोकेट खंडेलवाल ने मृतक की आय प्रमाणित करने के लिए आयकर के रिटर्न न्यायालय में प्रस्तुत किए।इधर, बीमा कंपनी ने जिम्मेदारी से बचने के लिए अलग-अलग तरह से कई तर्क रखे, लेकिन न्यायालय ने इनमें से किसी को भी नहीं माना। मृतक के आयकर रिटर्न को आय का प्रमाणित साक्ष्य मानते हुए न्यायालय ने बीमा कंपनी को आदेश दिया कि वह मृतकों के आश्रितों को 59 लाख 23 हजार रुपये का भुगतान करें।

मसालों के बाक्स में शराब की तस्करी, एसटीएफ ने गुजरात जा रहा ट्रक पकड़ा

इंदौर। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने शराब तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त किया है। शराब माफिया मसालों के बाक्स के बीच में शराब की पेटियां रखकर गुजरात भिजवा रहा था। पुलिस ने ड्राइवर को पकड़ लिया, लेकिन ट्रांसपोर्टर फरार हो गया। पुलिस मोबाइल और बैंक खातों की पड़ताल कर रही है।डीएसपी (एसटीएफ) राजेशसिंह चौहान के मुताबिक, खबर मिली थी कि शराब माफिया ट्रांसपोर्टर से साठगांठ कर बड़े पैमाने पर शराब की सप्लाई कर रहे हैं। लाखों रुपये कीमती शराब गुजरात भिजवाई जा रही है। एसटीएफ निरीक्षक मलय महंत और प्रधान आरक्षक महेश चौहान की टीम ने शनिवार रात ट्रक (एमपी 09 जीजी 8320) को बेटमा और सागौर कुटी के बीच में पकड़ लिया।ट्रक ड्राइवर कालू ने पूछताछ में बताया कि ट्रक में मसाला और किराना का सामान भरा हुआ है। उसने सामान की बिल्टी भी बता दी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ट्रक को खोलकर सामान जांचा तो बाक्स के बीच में 100 बाक्स शराब के मिले। साथ में विस्फोटक सामग्री (सूतली बम) भी रखे हुए थे। पुलिस ने ड्राइवर कालू पुत्र बगदीराम निवासी मांगोद सरदारपुर को गिरफ्तार कर लिया। जब्त गाड़ी छतरसिंह भाटी के नाम पर रजिस्टर्ड है।डीएसपी के मुताबिक, कालू स्कीम-78 निवासी ट्रांसपोर्टर अनूपसिंह भाटी के ट्रांसपोर्ट पर नौकरी करता है। भाटी की लसूड़िया क्षेत्र में हिंदुस्तान केरियर कार्पोरेशन के नाम से ट्रांसपोर्ट है। भाटी ने किराना और मसाला लेकर असलाली अहमदाबाद (गुजरात) रवाना किया था। अनूप अवैध शराब ले जाने के बदले पांच हजार रुपये देता था। कालू दो बार गुजरात में भाटी की शराब के साथ गिरफ्तार हो चुका है।

आइआइएम इंदौर से 802 छात्रों डिग्री लेकर निकलें बाहर, 12 छात्रों ने प्राप्त किया गोल्ड

इंदौर। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) इंदौर में रविवार शाम 25वां वार्षिक दीक्षा समारोह आयोजित किया गया। इस बार संस्थान द्वारा 802 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई, जिसमें 281 छात्राएं और 521 छात्र शामिल रहे। पिछली बार डिग्री प्राप्त करने वालों की संख्या 739 थी, जिसमें 235 छात्राएं और 507 छात्र थे। इसके मुकाबले इस बार डिग्री प्राप्त करने वालों में छात्राओं की 49 और छात्रों की संख्या 14 बढ़ी है। डिग्री पाकर भविष्य की नई डगर पर कदम बढ़ाते हुए विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान मौजूद उनके माता-पिता के चेहरे भी खुशी से चमक उठे।

आइआइएम इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में जिन विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किए गए उनमें पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट-पीजीपी, पीजी प्रोग्राम इन एचआर मैनेजमेंट पीजीपी-एचआरएम, 5 ईयर इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट-आइपीएम, एक्जीक्यूटिव पीजी प्रोग्राम इन मैनेजमेंट-ईपीजीपी, पीजी इन मैनेजमेंट फार वर्किंग एक्जीक्यूटिव-पीजीपीएमएक्स कोर्स, डाक्टोरल प्रोग्राम इन मैनेजमेंट और एग्जीक्यूटिव डाक्टोरल प्रोग्राम इन मैनेजमेंट के छात्र शामिल थे। इसके अलावा 12 छात्रों को 13 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इसमें आइपीएम कोर्स की स्वर्णिमा आनंद टाप पर रहीं और अच्छे प्रदर्शन के लिए दो गोल्ड मेडल प्रदान किए गए।मुख्य अतिथि मार्गन स्टेनली इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रिधम देसाई ने अपने दीक्षा भाषण में कहा कि आने वाले समय में कई क्षेत्रों में करियर के अवसर मिलेंगे। अब भारत की ओर दुनिया की नजर है। अब लोगों का ध्यान चाइना से हटकर भारत पर है। एपल कंपनी भी अपनी इंडस्ट्री भारत में शुरू करने जा रही है। ऐसे में भारत के विद्यार्थियों को भारत में ही नौकरी के अच्छे अवसर मिलेंगे। इसके लिए आप सुनिश्चित करें कि आप जुनून, दृढ़ता और आगे आने वाली परिवर्तनकारी संभावनाओं पर सकारात्मक नजर रखें और आगे बढ़ें।स्वागत भाषण में आइआइएम इंदौर के बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष एमएम मुरुगप्पन ने छात्रों से कहा कि भारत और दुनिया की भलाई में योगदान करने के लिए अपनी सीख, शिक्षा और नेतृत्व कौशल का लाभ उठाएं और इस दुनिया को बेहतर बनाने की ओर निरंतर प्रयास करते रहें। आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने कहा कि आने वाले समय में हम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के तहत कई नए संयुक्त कार्यक्रम प्रस्तुत करने जा रहे हैं। यह शिक्षा के प्रति संस्थान के समर्पण और इसके अंतरराष्ट्रीय पदचिह्न को और भी सुदृढ़ बनाने के प्रयासों को दर्शाता है। आइआइएम इंदौर के पूर्व छात्रों का नेटवर्क अब संयुक्त अरब अमीरात और जीसीसी देशों में 800 सदस्यों को पार कर गया है।टापर और अच्छे प्रदर्शन के लिए स्वर्णिमा आनंद को दो गोल्ड मेडल प्रदान किए गए। स्वर्णिमा ने कहा कि मैं बचपन से जमशेदपुर में रतन टाटा के संस्कारों के बीच पली हूं, वे ही मेरे रोल माडल हैं। मेरे माता पिता टाटा कंपनी में ही कार्यरत हैं और वहीं रहकर मैंने जाना कि एक अच्छी कंपनी कैसे समाज में परिवर्तन ला सकती है। इसीलिए मैं भी अपने जीवन में सोशल इम्पैक्ट के क्षेत्र में बिजनेस कंसल्टिंग करना चाहती हूं।पीजीपी में पहली रैंक प्राप्त करने वाले छात्र मेरुल शाह को गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि मैं अपना करियर मैनेजमेंट कंसल्टिंग में शुरू करने वाला हूं। फिलहाल कंपनी में रहकर सीखना है और आगे चलकर मौका मिला तो आंत्रप्रेन्योरशिप की तरफ भी जा सकता हूं। मैंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी लेकिन मेरा इंटरेस्ट नान टेक्निकल फील्ड में लग रहा था इसलिए आइआइएम के लिए प्रयास किया। पिता रितेश शाह और माता हेतल शाह ने कहा कि बचपन से मेरुल पढ़ने में काफी अच्छा रहा। दसवीं में टापर रहा। आज उसे गोल्ड मेडल प्राप्त करते हुए देखना हमारे लिए बहुत प्रसन्नता की बात है।पीजीपी एचआरएम टापर शिखा गुणवाल ने कहा कि आइआइएम इंदौर से मैंने ह्यूमन रिसोर्सेज में डिग्री ली है और आगे जाकर मैं खुद की एचआर कंसल्टिंग फर्म खोलना चाहती हूं। मैं स्टार्टअप की मदद करना चाहती हूं जिससे वो एनालिटिक्स की मदद से आसानी से अलग-अलग चीजों को मैनेज कर सकें। मैं मूलतः गुड़गांव से हूं और मेरा प्लेसमेंट भी डेलाइट के गुड़गांव आफिस में हुआ है।

बाबा महाकाल के ध्वज चल समारोह को निहारने उमड़ा आस्था का सैलाब

महाकालेश्वर ध्वज चल समारोह समिति ने सभी धर्मप्राण जनता, शासन, पुलिस प्रशासन के साथ प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वालों का माना आभार

उज्जैन। रंगपंचमी महापर्व पर परंपरानुसार निकले बाबा महाकालेश्वर ध्वज चल समारोह को निहारने आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। के आनंदपूर्वक संपन्न होने पर महाकालेश्वर ध्वज चल समारोह समिति ने सभी धर्मप्राण जनता, शासन, प्रशासन, पुलिस प्रशासन के साथ ही ध्वज चल समारोह में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने पर आभार व्यक्त किया। महाकालेश्वर मंदिर पुजारी पुरोहित परिवार ने सभी धर्मप्राण जनता का आभार प्रकट किया जिन्होंने मर्यादा में रहकर उत्साह और उमंग के साथ ध्वज चल समारोह का दर्शन लाभ लिया।

श्री महाकालेश्वर मंदिर सभामंडपम में विधिवत ध्वज-पूजन कलेक्टर नीरज सिंह, मंदिर प्रशासक मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण, सहित पुजारी पुरोहित परिवार द्वारा किया गया। ध्वज पूजन के बाद पुजारी, पुरोहितगण, श्रद्धालुओं आदि ने पूरे उत्साह से मन्दिर स्थित कोटी तीर्थ एवं परिसर में ध्वज लेकर परिक्रमा ढोल व बाजे के साथ की। तत्पश्चात रंगपंचमी महापर्व पर परंपरानुसार बाबा महाकाल का ध्वज चल समारोह महाकाल मंदिर से निकला। इस विशाल ध्वज चल समारोह में बाबा महकाल के रजत ध्वज के साथ अन्य 11 ध्वज और सिंधिया स्टेट का स्वर्ण ध्वज शामिल रहे। साथ ही वन्य जीवों के द्वारा शिव भक्ति, राधा कृष्ण के द्वारा बरसाना में होली, गजेंद्र मोक्ष की झांकी, त्रिपुरासुर वध की झांकी, मानव द्वारा शिव लीला की चलित झांकी के साथ 70 फीट की झांकी में हनुमान अष्टक की झांकी तथा बाबा महाकाल के सेहरे दर्शन की झांकी के साथ बाबा वीरभद्र के ध्वज दर्शन महाकाल भक्तों को हुए। चल समारोह महाकाल मंदिर से प्रारंभ होकर तोपखाना, दौलतगंज, नईसड़क, कंठाल, सराफा, गोपाल मंदिर होता हुआ पुनः महाकाल मंदिर पहुंचा। चल समारोह में मध्यप्रदेश सहित दूसरे राज्यों के प्रसिध्द बैंड जिनमें इंदौर का राजकमल बैंड, उज्जैन से गणेश मालवा बैंड, आरके बैंड, भोपाल से नाद ग्रुप, नासिक का बैंड शामिल हुए। महाराष्ट्र के नासिक से करीब 70 महिलाओं के द्वारा नाद यंत्रों से वातावरण को गुंजायमान किया।

महाकाल मंदिर के पुजारी एवं पुरोहित परिवार एवं ध्वज चल समारोह समिति ने धर्मप्राण जनता सहित पुलिस प्रशासन का इस सफल आयोजन हेतु धन्यवाद दिया।

चेटीचंड महापर्व के फोल्डर का विमोचन

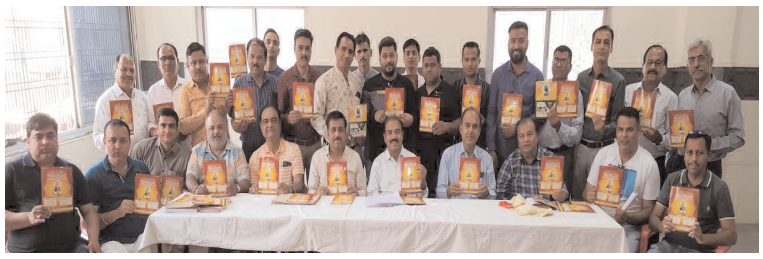

उज्जैन। सिंधु जागृत समाज द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी चेटीचंड महापर्व बड़ी धूमधाम से मनाने के संकल्प के साथ रविवार को सिंधी धर्मशाला फ्रीगंज में फोल्डर का विमोचन किया गया। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि समाज के अध्यक्ष दौलत खेमचंदानी, सचिव गोपाल बलवानी, कोषाध्यक्ष जवाहर सनमुखानी एवं कार्यक्रम संयोजक महेश परियानी, संतोष लालवानी आदि पदाधिकारियों के नेतृत्व में फोल्डर का विमोचन किया गया। साथ ही अलग-अलग समितियां बनाकर सभी को कार्य सौंपे गए। जिसमें विशेष तौर पर दीपक राजवानी, मुकेश रेवाचंद सेवारमानी, संजय लालवानी, तुलसी राजवानी, अशोक राजवानी, दीपक ज्ञानचंदानी, महेश गंगवानी, सुरेशकुमार पुरसवानी, प्रकाश, हरिश टेकवानी, खुशान खत्री, मोहन यात्री, कमल शाहलानी, लालू नागवानी, ललित थावानी, किशोर मुलानी, हितेश सेठिया, जवाहर कोटवानी, धर्मेन्द्र खुबचंदानी, गोपाल बलवानी, वीरकुमार मामनानी, श्रीकांत माखीजानी, दौलत खेमचंदानी, रमेश गजरानी,जयराम सोनेजा, नरेन्द्र सबनानी, जवाहर सनमुखानी को दायित्व सौंपे गये।

महामूर्ख दिवस पर हास्य व्यंग्य का अनूठा आयोजन.... एक घंटा (60 मिनिट).. घंटा घर के नीचे...

उज्जैन। ओम हास्याय नमः द्वारा महामूर्ख दिवस की संध्या 1 अप्रैल को रात्रि 8 से 9 बजे तक हँसी ठहाकों की पिचकारी एवं हास्य व्यंग्य के मस्त गुब्बारों का बुक्का फाड़ आयोजन... एक घंटा (60 मिनिट) .. घंटा घर के नीचे.. अनूठे आयोजन में उज्जैन लोकसभा संसदीय क्षेत्र में सौ प्रतिशत मतदान की शपथ भी दिलवाई जायेगी।

बुक्का फाड़ आयोजन के संयोजक स्वामी मुस्कुराके एवं हास्य सर्किट सुरेंद्र सर्किट ने बताया कि मजेदार आयोजन मात्र 60 मिनट (एक घंटा) का ही होगा। संपूर्ण कार्यक्रम स्टेंड अप स्टाईल में होगा। मुख्य अतिथि उज्जैन के कला जगत के नंदी सुदर्शन आयाचित होगें। विकास रूपी तोंद (पेट) का पूजन अर्चन कर शुभारंभ होगा। सह संयोजक दिनेश विजयवर्गीय ने बताया कि भारत के हास्याचार्य दिनेश दिग्गज हास्य व्यंग्य का लठ्ठ घुमाएंगे। मस्ताने कवि विजय गोपी मस्ती की टोपी रसिकों को पहनायेंगे। हास्य के कड़ाव में सतीश सागर हास्य प्रेमियों को अवगाहन कराएंगे। कुवारों के आईकान कुमार संभव धमचक मचायेंगे। काव्य मंच के ठलवे कवि विक्रम विवेक हास्य की पिचकारी से उत्सव धर्मियों को सरोबार करेंगे। अनूठा आयोजन समय की पाबन्दी का रहेगा। अंत में ठलवा (तरल) प्रसाद प्रदान किया जायेगा।

प्रदेश में बनाये गये लगभग 356 सहायक मतदान केंद्र

उज्जैन। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया है कि मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रदेश के जिन मतदान केंद्रों में मतदाताओं की संख्या 1500 से अधिक है, वहां पर सहायक मतदान केंद्र स्थापित किये गये हैं। भारत निर्वाचन आयोग की अनुमति से प्रदेश में कुल 356 सहायक मतदान केंद्र बनाये गये हैं।प्रदेश के विधानसभा क्षेत्र जौरा, भितरवार, चंदेरी, खुरई, सागर, राजनगर, धौहनी, मुडवारा, जबलपुर केंट, सिहौरा, सिवनी, सौंसर, विदिशा, बासौदा, शमशाबाद, इच्छावर, सीहोर, ब्यावरा, शाजापुर, भगवानपुरा, इंदौर-3, रतलाम सिटी, जावरा और सुवासरा में एक-एक सहायक मतदान केंद्र बनाये गये हैं।

इसी तरह विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर पूर्व, छतरपुर, सिंगरौली, गाडरवारा, देवास, खरगौन, सेंधवा, झाबुआ और नागदा-खाचरौद में दो-दो सहायक मतदान केंद्र स्थापित किये गये हैं।विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण, राघौगढ़, भोपाल दक्षिण-पश्चिम, मंदसौर में तीन-तीन और गुना-छिंदवाड़ा, भोपाल मध्य, बड़वाह व इंदौर-4 में चार-चार, ग्वालियर, ग्वालियर दक्षिण, डबरा एवं बैरसिया में पांच-पांच सहायक मतदान केंद्र बनाये गये हैं। विधानसभा क्षेत्र जबलपुर पूर्व में सात, नरेला व देपालपुर में आठ-आठ, उज्जैन दक्षिण व उज्जैन उत्तर में नौ-नौ, इंदौर-1 में 18, इंदौर-2 में 18, सांवेर में 19, डॉ. अम?बेडकर नगर (महू) में 20, हुजूर में 29, इंदौर-5 में 50 और विधानसभा क्षेत्र राऊ में 53 सहायक मतदान केंद्र बनाये गये हैं।

श्रीकृष्ण के विराट व्यक्तित्व का दिग्दर्शन कराता है महाकाव्य 'योगेश्वर गोविंद'

मध्यप्रदेश लेखक संघ के प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन में ग्रंथ का लोकार्पण

उज्जैन। योगेश्वर श्रीकृष्ण के विराट व्यक्तित्व को समझने के लिए हर जिज्ञासु पाठक को योगेश्वर गोविंद महाकाव्य से होकर अवश्य गुजरना चाहिए। यह एक ऐसा अद्भुत महाकाव्य है जिसकी रचना बिना भगवत कृपा के संभव ही नहीं है। इस विषद ग्रंथ में श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व और कृतित्व के समस्त पहलुओं का सविस्तार वर्णन किया गया है।उक्त उद्गार मध्यप्रदेश लेखक संघ, उज्जैन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार राजपाल सिंह जादौन के महाकाव्य योगेश्वर गोविंद के लोकार्पण अवसर पर वक्ताओं ने व्यक्त किये। सारस्वत अतिथि डॉ मोहन गुप्त ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि महाकाव्य योगेश्वर गोविन्द वर्तमान युग के काव्य जगत की एक अमूल्य निधि है तथा सामान्य पाठक एवं श्रद्धालु भक्त सभी के लिए न केवल चित्तरंजन का हेतु है अपितु बुद्धि को विश्राम देने वाला भी है। लेखक ने सांगोपांग और शास्त्रीय परंपरा का ध्यान रखते हुए धर्म संस्थापन रूप में इस महाकाव्य का समाहार किया है। विशेष अतिथि प्रो बालकृष्ण शर्मा ने कहा कि गोविन्द अर्थात समस्त इंद्रियों के माध्यम से जिन्हें जाना जाए और जो विराट स्वरूप का साक्षात्कार कराने वाला है वही योगेश्वर है। विशिष्ट अतिथि डॉ शिव चौरसिया ने कहा कि आठ हजार दोहों और सोरठों में योगेश्वर गोविंद महाकाव्य रचा गया है। उज्जैन में इस महाकाव्य का लोकार्पण होना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भूमि श्रीकृष्ण की विद्या स्थली है। ग्रंथ का परिचयात्मक विवरण प्रस्तुत करते हुए डॉ देवेंद्र जोशी ने इस अवसर पर कहा कि लेखक के मन में कृष्ण भक्ति का जो अनुराग उमड़ रहा था वह ग्रंथ के 708 पृष्ठों पर 9 पर्वों और 82 अध्यायों में रूपायित हुआ है। इस ग्रंथ की खासियत है कि यह द्वापर और त्रेता को जोड़ने का कार्य करता है। त्रेता मे राम अवतार के जो कार्य अधूरी रह गए थे उन्हें द्वापर में श्री कृष्ण ने पूरा किया है। कालिदास अकादमी के निदेशक डॉ गोविंद गंधे ने कहा कि यह एक अत्यंत महनीय ग्रंथ है। इसके प्रणयन और उज्जैन में लोकार्पण से इसकी सार्थकता सिद्ध हुई है। जिसके लिए लेखक बधाई और साधुवाद के पात्र हैं। आयोजन को अध्यक्ष डॉ हरिमोहन बुधौलिया ,प्रमुख वक्ता डा शैलेन्द्र शर्मा, विशेष अतिथि श्यामदास महाराज और महाकाव्य के लेखक राजपाल सिंह जादौन ने भी संबोधित किया। आरंभ में सरस्वती वंदना सीमा जोशी ने प्रस्तुत की। पुस्तक की समीक्षा डॉ प्रतिष्ठा शर्मा और डॉ पांखुरी जोशी द्वारा की गई।

इस अवसर पर अतिथियों को शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में श्रीराम दवे, हरिहर शर्मा, सूरज उज्जैनी, संतोष सुपेकर, डॉ नेत्रा रावणकर, प्रो रवि नगाइच, दिलीप जैन, डॉ रमेश चंगेसिया, आर पी तिवारी, एच एल माहेश्वरी, भागवताचार्य डॉ सुरेश शास्त्री, डॉ अभिलाषा शर्मा, नीलेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में सुधी साहित्यकार, गणमान्य जन और परिजन उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष डॉ हरिमोहन बुधौलिया, सचिव डॉ देवेंद्र जोशी, डॉ हरीशकुमार सिंह आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ देवेंद्र जोशी ने किया और आभार डॉ. हरीशकुमार सिंह ने व्यक्त किया।

सम्पादकीय

विपक्ष की रैली का संदेश

दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया की रैली में जुटी भीड़ को लेकर जो भी दावे और प्रतिदावे हों, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि चुनाव के ठीक पहले विपक्षी दलों ने इसके जरिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने की काफी हद तक कामयाब कोशिश की है। लगभग सभी प्रमुख दलों के बड़े नेता इसमें शामिल हुए और सबने मोटे तौर पर सत्ता पक्ष की कथित ज्यादतियों और लोकतंत्र पर हो रहे हमलों के इर्दगिर्द ही बातें रखीं।वैसे, इंडिया के घटक दलों के आपसी अंतर्विरोध की छाया भी रैली पर इस रूप में दिखी कि इसके मुख्य मकसद को लेकर दो तरह की बातें सामने आईं। आम आदमी पार्टी की तरफ से जहां इसका मकसद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध करना बताया गया, वहीं कांग्रेस की तरफ से कहा गया कि विरोध किसी खास व्यक्ति से जुड़ा नहीं बल्कि मौजूदा सरकार की तानाशाही के खिलाफ केंद्रित है।यह रैली ऐसे समय हुई, जब महाराष्ट्र से लेकर बिहार तक तमाम राज्यों में टिकट बंटवारे के सवाल पर इंडिया से जुड़े दलों की आपसी खटपट की खबरें आ रही थीं। भले ही ये विवाद गिनी-चुनी सीटों को लेकर थे, नैरेटिव ऐसा बन रहा था कि चुनाव सिर पर आने के बाद भी इंडिया से जुड़े दल एकजुट नहीं हो पा रहे। रामलीला मैदान की रैली के जरिए इन दलों ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि बड़े मुद्दों पर वे एक स्वर में बोल सकते हैं।जहां तक ED और अन्य एजेंसियों की कार्रवाई का सवाल है तो इसमें दो राय नहीं कि इन पर सरकार का और इन एजेंसियों का अपना पक्ष है, लेकन इसके बावजूद चुनाव के ठीक पहले राज्यों के निर्वाचित मुख्यमंत्रियों के खिलाफ इस तरह के सख्त कदम अभूतपूर्व हैं और इनके राजनीतिक पहलू भी हैं।यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि 2005 से अब तक ED के दर्ज किए 5,906 केसों में से मात्र 25 निपटाए जा सके हैं। पिछले 17 वर्षों में 0.42प्रतिशत मामलों का निपटना इस शिकायत को दमदार बनाता है कि इन मामलों में प्रक्रिया ही सजा का रूप लेती जा रही है। यही नहीं, जिस ईडी के तहत राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है, उसके सख्त प्रावधानों पर न केवल तीखी बहस है बल्कि उस कानून के खिलाफ रिव्यू पिटिशन भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सवाल उठता है कि क्या एजेंसियों को चुनाव होने तक विपक्षी दलों और नेताओं के खिलाफ अतिवादी कदमों से परहेज करना चाहिए और क्या चुनाव आयोग को इस तरह का कोई निर्देश जारी करना चाहिए? इस पर गंभीरता से विचार करना इसलिए भी जरूरी है कि क्योंकि किसी लोकतंत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होने ही नहीं चाहिए, होते हुए दिखने भी चाहिए।

शीतला सप्तमी पर क्यों लगाया जाता है बासी खाने का भोग?

हिंदू पंचांग के मुताबिक, होली के 8 दिन बाद शीतला सप्तमी का व्रत रखा जाता है। इस दिन को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे बसोड़ा या बासोड़ा के नाम से भी जाना जाता है।शीतला सप्तमी के दिन देवी शीतला की पूजा करने की परंपरा है। साथ ही इस तिथि पर देवी को बासी भोजन का भोग भी लगाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शीतला माता को बासी भोजन बहुत प्रिय है। इसके साथ ही यह भी मान्यता है कि शीतला सप्तमी के दिन माता शीतला की पूजा करने और बासी भोजन का भोग लगाने से चेचक, खसरा आदि रोगों से भी मुक्ति मिलती है।शीतला सप्तमी का वैज्ञानिक महत्व भी है। यह पर्व उस समय मनाया जाता है, जब शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का समय होता है। ऐसे में यह दो ऋतुओं का संधिकाल है। इस दौरान आपको अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अन्यथा आपकी सेहत पर इसका असर देखने को मिलेगा। माना जाता है कि इस मौसम में ठंडा खाना खाने से पाचन तंत्र ठीक रहता है। ऐसे में शीतला अष्टमी पर ठंडा खाना खाया जाता है।बसोड़ा पर्व पर घरों में खाना पकाने के लिए आग का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। इसलिए बासोड़ा से एक दिन पहले मीठे चावल, रबड़ी, पुआ, हलवा, रोटी आदि पकवान बनाए जाते हैं। अगली सुबह वही बासी भोजन देवी शीतला को अर्पित किया जाता है। इसके बाद इस भोजन को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से लोकसभा चुनावों पर क्या असर पड़ेगा?

लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया जारी हो, इसी बीच किसी राज्य के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी हो और उस पर राजनीति ना हो, ऐसा संभव ही नहीं है। दिल्ली के कथित आबकारी घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भारत राष्ट्र समिति की नेता के कविता को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने गिरफ्तार किया है। ईडी का दावा है कि इन गिरफ्तारियों के पीछेकोई राजनीति नहीं है। लेकिन राजनीति और लोक का एक बड़ा हिस्सा ऐसा है, जो इन गिरफ्तारियों के पीछे राजनीति देख रहा है। मोदी विरोधी आईएनडीआईए गठबंधन में चूंकि केजरीवाल भी शामिल हैं, लिहाजा गठबंधन के नेता इन गिरफ्तारियों को सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक बताने-बनाने में जुट गए हैं। उनका एक ही सवाल है कि आखिर सिर्फ विपक्षी नेताओं को ही ईडी या सीबीआई निशाना क्यों बना रहे हैं? बार-बार ऐसा कहकर एक तरह से मोदी विरोधी मोर्चे के नेताओं की कोशिश यह है कि इन गिरफ्तारियों को भ्रष्टाचार की बजाय सिर्फ राजनीति का रंग दिया जाए और इसके जरिए मोदी विरोधी वोटों की फसल काट ली जाये।लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसा संभव है? मोदी के उभार के बाद के दोनों संसदीय चुनावों में दिल्ली विधानसभा में अपार बहुमत रखने वाली आम आदमी पार्टी एक भी सीट हासिल नहीं कर पाई है। इस बार तो आम आदमी पार्टी ने उस कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया है, जिसके भ्रष्टाचार के विरोध में उसका समूचा अस्तित्व पनपता रहा। दिल्ली में लोकसभा की सात सीटें हैं, जिनमें तीन सीटों पर जहां कांग्रेस चुनाव लड़ रही है, वहीं आम आदमी पार्टी चार सीटों पर मैदान में है। पिछले दो आम चुनावों में आम आदमी पार्टी की स्थिति तीसरे नंबर की पार्टी बनकर रह गई थी। गठबंधन करके कांग्रेस और आम आदमी पार्टी-दोनों ने उम्मीद लगा रखी है कि दो आम चुनावों से जारी दिल्ली में उनका सूखा शायद कम हो जाए। केजरीवाल की गिरफ्तारी के पहले तक ऐसा नहीं लग रहा था कि विगत के दो चुनावों से इतर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का इतिहास इस बार इतर होने जा रहा है। लेकिन केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद दोनों पार्टियों को सहानुभूति लहर उठने की उम्मीद है। उन्हें लगता है कि सहानुभूति की वजह से इस बार भारतीय जनता पार्टी के किले में सेंध लग

सकती है।शराब घोटाले में केजरीवाल के पहले उनके दो स्तंभों पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह गिरफ्तार हो चुके हैं। उनकी जमानत की याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं। दिल्ली शराब नीति घोटाले में दिल्ली से तीसरी बड़ी गिरफ्तारी केजरीवाल की हुई है। इसी केस में भारत राष्ट्र समिति की नेता और पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता भी गिरफ्तार हैं। केजरीवाल को गिरफ्तार करने से पहले ईडी ने नौ बार समन देकर उन्हें बुलाया। लेकिन हर बार वे ईडी के सामने जाने से बचते रहे। केजरीवाल का राजनीतिक अनुभव भले ही कम हो, लेकिन उनकी पैंतरेबाजी से साफ है कि राजनीति करने में वे पुराने से पुराने नेताओं पर भारी हैं। समन को अनदेखा करके एक तरह से वे इस मुद्दे को जिंदा रखने और इसके जरिए अपने लिए वोटरों की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करते रहे। गिरफ्तारी के बावजूद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा ना देकर भी केजरीवाल राजनीति कर रहे हैं। ईडी की हिरासत से ही वे दिल्ली के लिए दो आदेश जारी कर चुके हैं। पहले में जहां उन्होंने दिल्ली की सीवर व्यवस्था दुरूस्त करने का आदेश दिया है, वहीं उनका दूसरा आदेश स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त रखना है। दिल्ली में विपक्षी भूमिका निभा रही भारतीय जनता पार्टी इस पर हंगामा कर रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से केजरीवाल को हटाने की मांग वाली याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल की गई। जिसे हाईकोर्ट ठुकरा चुका है। इसके बावजूद नैतिकता के आधार पर भाजपा केजरीवाल से इस्तीफे की मांग कर रही है। लेकिन केजरीवाल के खेमे के तर्क है कि संविधान में कहीं नहीं लिखा है कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति को अपने पद से इस्तीफा दे ही देना होगा। इस तर्क के सहारे केजरीवाल मुख्यमंत्री के पद पर जमे हुए हैं।हिरासत से आदेश देना और उसका आम आदमी पार्टी द्वारा भरपूर प्रचार किया जाना दरअसल केजरीवाल के प्रति सहानुभूति हासिल करने की प्रक्रिया का ही विस्तार है। भारतीय समाज भावुक होता है। इस भावुकता का फायदा हर राजनीतिक दल अपने तईं उठाते रहे हैं। इसी अंदाज में केजरीवाल परिवार भी आगे बढ़ रहा है। केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के भावुकताभरे बयान भी इसका ही उदाहरण हैं। दरअसल इन कदमों से आम आदमी पार्टी दिल्ली के लोगों को यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि जेल में रहते हुए भी आम आदमी पार्टी प्रमुख सिर्फ दिल्ली के ही बारे में सोच रहे हैं। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी की कोशिश इस बहाने सहानुभूति हासिल करना है।इस बीच दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के एक बयान से दिल्ली सरकार की बर्खास्तगी को लेकर अटकलें तेज हो गईं। उपराज्यपाल ने यह कह दिया कि जेल से दिल्ली की सरकार नहीं चलने दी जाएगी। उपराज्यपाल के इस बयान के बाद आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की कोशिशों का जोरदार विरोध किया। वैसे माना यह जा रहा है कि यह विरोध भी आम आदमी पार्टी की रणनीति का ही हिस्सा है। ताकि केंद्र सरकार दिल्ली सरकार को बर्खास्त कर दे। इससे केजरीवाल के पक्ष में जोरदार लहर उठ खड़ी होगी और मौजूदा आम चुनावों में आम आदमी पार्टी इसका फायदा उठा सकेगी।वैसे भारतीय जनता पार्टी की ओर से केजरीवाल को दोषी बताने की खूब कोशिशें हो रही हैं। दिल्ली में विपक्षी दल होने के नाते उसकी यह जिम्मेदारी भी है। लेकिन यह भी सच है कि दिल्ली बीजेपी की यह कोशिश बहुत ज्यादा कामयाब नहीं है। दिल्ली का एक वर्ग ऐसा भी है, जो मानता है कि केजरीवाल को तंग किया जा रहा है। दिल्ली की बसों, मेट्रो आदि में ऐसी चर्चाएं सुनाई दे रही हैं। हालांकि एक तबका ऐसा भी है, जो मानता है कि भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से उभरे केजरीवाल भी भ्रष्ट हो गए हैं। केजरीवाल के प्रति सहानुभूति रखने वाले में उस वर्ग के लोग ज्यादा हैं, जिन्हें दिल्ली सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का फायदा मिल रहा है। हालांकि दिल्ली की खस्ताहाल बसें, व्यवस्था की ढिलाई आदि के चलते केजरीवाल सरकार से नाराजगी रखने वाला भी एक वर्ग है। जो इस गिरफ्तारी को जायज ठहरा रहा है। केजरीवाल की गिरफ्तारी को नाजायज बताने में जुटी कांग्रेस की स्थित सांप-छछूंदर जैसी हो गई है। लोग चुटकियां लेने से बाज नहीं आ रहे। लोगों का कहना है कि जिस कांग्रेस को भ्रष्टाचारी बताते-बताते केजरीवाल ने नष्ट कर दिया, वह भी उसकी ईमानदारी की गारंटी दे रही है। यही वजह प्रहसन का बिंदु है, जिसकी वजह से दिल्ली के आम चुनावों में बीजेपी उम्मीद लगा सकती है। हालांकि इस प्रहसन के प्रभाव को कम करने की कोशिश में आम आदमी पार्टी ही नहीं, कांग्रेस भी प्राणपण से जुटी है। दिल्ली की काया पलटने वाली कांग्रेसी मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित कभी कहा करते थे कि वे केजरीवाल से अपनी मां के अपमान का बदला जरूर लेंगे। वह संदीप दीक्षित भी अब केजरीवाल की गिरफ्तारी को गलत बताने लगे हैं। संदीप दीक्षित जैसों के बयानों को भाजपा के दिल्ली के लोकसभाई किले में सेंध लगाने की कोशिश का विस्तार मान सकते हैं।दिल्ली के अपने छह सांसदों के टिकट भाजपा ने काट दिए हैं। सिर्फ मनोज तिवारी ही ऐसे हैं, जिन्हें तीसरी बार टिकट मिला है। भाजपा के इस कदम का आम आदमी पार्टी और कांग्रेस- दोनों भाजपा की नाकामी के रूप में दिखाने-जताने की कोशिश कर रहे हैं। इसका मकसद यह है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उपजी सहानुभूति लहर को उभारते हुए भाजपा की नाकामी से जोड़ दिया जाए और उसका चुनावी फायदा उठाया जाए। दिल्ली में पांचवें दौर में 25 मई को चुनाव होना है। जिसमें काफी वक्त है। अभी तक तो कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान तक नहीं कर सकी है। ऐसे में चुनावी पानी की धार को लेकर फिलहाल कुछ कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन एक बात स्वीकार करनी होगी कि अगर केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर सहानुभूति लहर बढ़ी तो दिल्ली का चुनावी इतिहास बदल सकता है। वैसे अब तक जैसी सहानुभूति है, उससे इतिहास बदलने की उम्मीद फिलहाल बेमानी है।

क्या कारण है कांग्रेस की मंद होती रोशनी के?

देश की सबसे पुरानी एवं मजबूत कांग्रेस पार्टी बिखर चुकी है, पार्टी के कद्दावर, निष्ठाशील एवं मजबूत जमीनी नेता पार्टी छोड़कर अपनी सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी पार्टी भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं, वह भी तब जब लोकसभा चुनाव सन्निकट है। कांग्रेस नेताओं का यह दलबदल आश्चर्य की बात हैं, पार्टी छोड़ने का जैसा सिलसिला चल रहा है, वह देश के इस सबसे पुराने दल की दयनीय दशा और स्याह भविष्य को ही रेखांकित करता है। हालांकि भाजपा और कुछ अन्य दलों के चंद नेता कांग्रेस की शरण में भी गए हैं, लेकिन इसकी तुलना में उसके नेताओं के पार्टी छोड़ने की संख्या कहीं अधिक है। प्रश्न है एक लोकतांत्रिक संगठन की यह दुर्दशा एवं रसातल में जाने की स्थितियां क्यों बनी? इसके कारणों की समीक्षा एवं आत्म-मंथन जरूरी है। कांग्रेस पार्टी लगातार न केवल हार रही है, बल्कि टूट एवं बिखर रही है, जनाधार कमजोर हो रहा है, इन बड़े कारणों के बावजूद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने न इसकी समीक्षा की, न विश्लेषण किया। कांग्रेस पर वंशवाद एवं पुत्रमोह का ठप्पा लगा हुआ है। पार्टी में आंतरिक प्रजातंत्र नहीं है। शीर्ष नेतृत्व निर्णय लेने में अक्षम है। बहुसंख्यकों के कल्याण की कोई नीति नहीं है। तुष्टीकरण नीति भी उसके लिए घातक साबित हो रही है। इन बड़े कारणों के बावजूद पार्टी में सन्नाटा पसरे होने के कारण ही अनेक जिम्मेदार एवं कर्णधार नेता ही पार्टी छो?कर जा रहे हैं या चले गये हैं। आज का कांग्रेसी शीर्ष नेतृत्व साम्प्रदायिक, असामाजिक, स्वार्थी, चाटुकारी एवं देश-विरोधी तत्वों के साथ इस तरह ताना-बाना हो गया है कि उससे निकलना मुश्किल हो गया है। सांप-छछूंदर की स्थिति है। न निकलते बनता है और न उगलते। कांग्रेस नेतृत्व सत्ता प्राप्ति की खुशफहमी और खोने के खतरे की फोबिया से ग्रस्त है।कांग्रेस के नेताओं के कांग्रेस छो?ने से पार्टी नेतृत्व को हैरान-परेशान होना चाहिए, लेकिन शायद ही ऐसा हो, क्योंकि राहुल गांधी आम तौर पर ऐसे नेताओं को डरपोक या अवसरवादी करार देकर कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। वह और उनके करीबी यह देखने-समझने के लिए तैयार नहीं कि आखिर क्या कारण है कि एक के बाद एक नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते रवनीत सिंह का भाजपा में जाना इसलिए कांग्रेस के लिए एक बड़ा आघात है, क्योंकि पंजाब उन राज्यों में है, जहां कांग्रेस अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है और भाजपा तीसरे-चौथे नंबर के दल के तौर पर देखी जाती है। बात पंजाब ही

नहीं, महाराष्ट्र, हिमाचल एवं अन्य प्रांतों की भी ऐसी ही है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि कांग्रेस छोड़ने वालों में कई ऐसे नेता भी हैं, जो गांधी परिवार के करीबी माने जाते थे, जैसे अशोक चव्हाण, मिलिंद देवड़ा, सुरेश पचौरी। इसके पहले राहुल गांधी की युवा ब्रिगेड के सदस्य कहे जाने वाले अधिकांश नेता भी कांग्रेस से विदा ले चुके हैं। कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं में एक बड़ी संख्या उनकी है, जो अपना स्वतंत्र राजनीति वर्चस्व एवं पहचान रखते हैं, वे अपने जनाधार के लिए जाने जाते हैं। गांधी परिवार के करीबी एवं चाटुकार नेताओं में बहुत कम ऐसे हैं, जो अपने बलबूते चुनाव जीतने की क्षमता रखते हों।प्रश्न है कि कांग्रेस की यह दशा क्यों बनी? देश की विविधता, स्वरूप और संस्कृति को बांधे रखकर चलने वाले अतीत के कांग्रेसी नेता, जिनकी मूर्तियों और चित्रों के सामने हम अपना सिर झुकाते हैं, पुष्प अर्पित करते हैं- वे अज्ञानी नहीं थे। उन्होंने अपने खून-पसीने से भारत-माँ के चरण पखारे थे। आज उनकी राष्ट्रीय सोच एवं जनकल्याण की भावना को नकारा जा रहा है, उन्हें अदूरदर्शी कहा जा रहा है। कांग्रेस में धीरे-धीरे जमीनी धरातल पर कार्य करने वाले बड़ी सोच वाले कार्यकर्ता कम हो गए और नेताओं के चापलूस बढ़ गए। ये चापलूस ही आगे बढ़े और कांग्रेस की टूट का कारण बने हैं। वक्त यह सब कुछ देख रहा है और करारा थपड़ भी मार रहा है। कांग्रेस विश्वसनीय और नैतिक नहीं रही और सत्ता विश्वास एवं नैतिकता के बिना ठहरती नहीं। शेरनी के दूध के लिए सोने का पात्र चाहिए। कांग्रेस अपना राष्ट्रीय दायित्व एवं सांगठनिक जिम्मेदारी राजनीतिक कौशल एवं नैतिकतापूर्ण ढंग से नहीं निभा रही। अंधेरे को कोसने से बेहतर था कि कोई तो पार्टी में एक मोमबत्ती जलाता। रोशनी करने की ताकत निस्तेज होने का ही परिणाम है कि वक्त ने सीख दे दी। इसी का परिणाम है कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की संख्या तेजी से बढ़ती चली जा रही है, उससे तो यह लगता है कि पार्टी छोड़ो जैसा कोई अभियान चल रहा है। राहुल गांधी भले ही यह दिखाएं कि कांग्रेस नेताओं के जाने से पार्टी की सेहत पर फर्क नहीं पड़ता, लेकिन सच तो यह है अब फर्क पड़ता दिख रहा है। आने वाले लोकसभा चुनाव के परिणाम इस फर्क को और अधिक स्पष्ट कर देंगे। कुछ नेता चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं और कुछ तो प्रत्याशी घोषित होने के बाद अपने कदम पीछे खींच चुके हैं। कांग्रेस भले ही यह दिखा रही हो कि वह भाजपा का मुकाबला करने मे समर्थ है, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं कि वह अपने नेतृत्व वाले मोर्चे इंडिया महागठबंधन को वैसा आकार नहीं दे सकी, जिसकी आशा की जा रही थी। इसके लिए कांग्रेस अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकती। कांग्रेस का क्षरण इसलिए शुभ संकेत नहीं, क्योंकि भाजपा के समक्ष वही सही मायने में एक राष्ट्रीय दल है। अन्य राष्ट्रीय दलों में कोई भी ऐसा नहीं, जिसकी जड़ें देश भर में हों। लोकतंत्र में एक मजबूत विपक्ष भी आवश्यक होता है, लेकिन सत्तापक्ष उसकी मजबूती की चिंता नहीं कर सकता।

मीना कुमारी ने तीन बच्चों के पिता से की थी गुपचुप शादी, गुलजार से भी बढ़ने लगी थीं नजदीकियां

बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्री रही मीना कुमारी आज भी अपनी अदाकारी के लिए याद की जाती हैं। उस समय मीना कुमारी के साथ काम करना हर कलाकार का सपना होता था। अपनी दिलकश अदाओं और खूबसूरत आंखों से एक्ट्रेस ने हर किसी का दिल जीता है। छोटी उम्र से ही उन्हें नाम और शोहरत मिलने लगी थी। रूप-रंग, धन-दौलत किसी भी चीज की कमी नहीं थी उन्हें। लेकिन सिर्फ एक चीज जिसके लिए वे जिंदगी भर तरसती रहीं, वो था प्यार। जितनी वे स्क्रीन पर खूबसूरत दिखती थीं, असल जिंदगी में उनकी कहानी उतनी ही दर्दभरी थी।मीना कुमारी का जन्म 1 अगस्त 1933 को हुआ था। वे ट्रेजेडी क्वीन के नाम से काफी फेमस हुई थीं। लेकिन उन्हें कई नामों से पुकारा जाता था। एक्ट्रेस का असली नाम महजबीं बनो था। दरअसल, जब बचपन में मीना की आंखें काफी छोटी थीं, तो परिवार वाले उन्हें चीनी कहकर पुकारा करते थे। चार साल की उम्र में ही मीना ने फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। डायरेक्टर विजय भट्ट ने मीना कुमारी को फिल्म लेदरफेस में कास्ट किया था। उन्होंने 13 साल की उम्र तक अधूरी कहानी, पूजा, एक ही भूल, नई रोशनी, कसौटी, विजय, गरीब, प्रतिज्ञा, बहन, लाल हवेली जैसी फिल्में कर ली थी।जब मीना ने विजय भट्ट के साथ काम किया, तो उन्हें मजहबीं नाम अच्छा नहीं लगा। विजय ने मीना को बेबी मीना नाम दे दिया। इस तरह उनका एक और नाम पड़ गया। आज यानी 31 मार्च को मीना कुमारी की डेथ एनिवर्सरी है। इस मौके पर आज हम आपको उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ किस्से सुनाने जा रहे हैं। मीना जब छोटी थीं, तो उन्हें उनके अब्बू सेट पर ले जाया करते थे। काम के कारण मीना की पढ़ाई छूट गई थी। मीना अपने करियर में जितनी सक्सेसफुल थीं, उतनी ही अपनी लव लाइफ में असफल रहीं। उनका पहला प्यार लेखक और निर्देशक कमाल अमरोही थे। एक अखबार में उनकी फोटो देखने के बाद वे उन पर फिदा हो गई थीं।कमाल को मीना का दीवाना बनने में ज्यादा समय नहीं लगा। कमाल की पहले से ही दो बीवियां थीं और तीन बच्चों के पिता भी थे। इसके बाद भी मीना ने उनसे प्यार किया। मीना कुमारी ने कमाल अमरोही के साथ चुपके से शादी भी कर ली थी। कई महीनों तक किसी को पता भी नहीं चला था। लेकिन जब उनके पिता को इस बात का पता चला, तो मीना ने अपनी सारी पैतृक संपत्ति छोड़कर, कुछ साड़ी लेकर वहां से निकल गईं। कुछ समय बाद कमाल और मीना के बीच दूरियां बढ़ गईं। कमाल को मीना की फेम रास नहीं आई। ऐसे में कुछ सालों में ही दोनों का रिश्ता खत्म हो गया।मीना जब सुपरस्टार बन गई, तो उनकी सिफारिश पर एक्टर धर्मेंद्र को कई फिल्मों में काम मिला। मीना ने ही धर्मेंद्र की पर्सनालिटी बनवाई। उन्हें अदाकारी के कई गुर सिखाए, इस तरह दोनों एक-दूसरे के करीब आने लगे। हालांकि, शादी शुदा होने के कारण वे अपने रिश्ते में आगे नहीं बढ़ पाए।

बताया जाता है कि मीना और कमाल के रिश्ता टूटने की वजह धर्मेंद्र भी रहे हैं। धर्मेंद्र भी उस समय दो बच्चों के पिता होने के बाद भी मीना से अपना लगाव नहीं रोक पाए। जब वे हेमा मालिनी से मिले, तो अपने रिश्ते के लिए आगे बढ़े।धर्मेंद्र ने शादीशुदा और दो बच्चों (सनी और बॉबी देओल) का पिता होने के कारण मीना कुमारी से अपना लगाव रोक दिया। हालांकि, जब वह हेमा मालिनी से मिले, तो अपने ही ऊपर लगाई बंदिश से खुद को आजाद कर दिया। कमाल से अलग होने के बाद मीना गुलजार के करीब आई थीं। दोनों को शायरी का काफी शौक था। वहीं, मीना की शानदार अदाकारी पर गुलजार भी फिदा थे। इतना ही नहीं, मीना ने अपने जिंदगी के अंतिम दिनों में अपनी वसीयत की कीमती चीज गुलजार के नाम कर गई थीं। उन्होंने अपनी निजी डायरियां, जिसमें वे शायरी लिखती थीं, उसे गुलजार को सौंपकर गई थीं।

फिल्मी दुनिया से अब बड़ा गायक बामुश्किल ही निकलता है-सिंगर शान

मुंबई। लोकप्रिय गायक शान का कहना है कि भारतीय संगीत अहम बदलाव से गुजर रहा है और आज एक कलाकार को प्रसिद्धी के लिए फिल्मों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। वर्ष 1990 के दशक के अंत में 'लव-ओलॉजी' और 'तन्हा दिल' एल्बम के साथ अपने करियर की शुरुआत करने वाले शान ने कहा कि यह गुरु रंधावा, नेहा कक्कड़ और बादशाह जैसे रैपर्स या संगीतकारों का दौर है। उन्होंने कहा कि अरिजीत सिंह फिल्मी दुनिया से लोकप्रिय होने वाले आखिरी बड़े गायक हैं। शान ने कहा, '' संगीत की दुनिया में आज जितने भी बड़े नाम हैं वे या तो रैपर हैं या उनके पास संगीत शैलियों का अपना ब्रांड है। अरिजीत सिंह संभवत-फिल्म संगीत से आने वाले आखिरी बड़े गायक हैं।'' उन्होंने कहा, '' लेकिन इनमें से कई फिल्म जगत में आने से पहले ही खुद का संगीत बनाकर लोकप्रिय हो गए थे, जैसे कि गुरु रंधावा, हनी सिंह, बादशाह, किंग। लेकिन आज फिल्मी दुनिया से बामुश्किल ही कोई बड़ा गायक निकल रहा है।'' शान ने कहा, '' मेरे जैसे गायक, जिनकी छवि बॉलीवुड गायक के तौर पर बन चुकी है उनके लिए इससे बाहर निकलना बहुत मुश्किल है। मुझे लगता है कि मेरे गैर-फिल्मी गाने शायद ही लोग सुनेंगे।

राजेश खन्ना से लेकर अनिल कपूर तक, ये बॉलीवुड स्टार्स निभा चुके हैं राजनेता का किरदार

इस समय देश भर में लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा जोरों पर है। राजनीति के दिग्गजों के साथ इस बार फिल्मी सितारे भी अपनी किस्मत आजमाने के लिए चुनावी मैदान में उतरे हैं। इसमें कंगना रनौत, गोविंदा, अरुण गोविल काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। बॉलीवुड की शानदार एक्ट्रेस कंगना रनौत ने कई बार अपनी फिल्मों में राजनेता का किरदार निभाया है। थलाइवी के बाद अब फिल्म इमरजेंसी में कंगना धमाल मचाने वाली हैं। कंगना से पहले भी ऐसे कई सितारे रहे हैं, जो बड़े पर्दे पर राजनेता का किरदार निभा चुके हैं। आज हम आपके लिए उन्हीं सितारों की लिस्ट लेकर आए हैं।राजेश खन्ना एक राजनेता थे। फिल्मों के साथ-साथ उन्होंने पॉलिटिक्स में भी कदम रखा था। 1984 में रिलीज हुई फिल्म आज का एमएलए राम अवतार में उन्होंने चुनाव लड़ा था। फिल्म की कहानी काफी दिलचस्प थी। फिल्म में राजेश खन्ना एक नाई होते हैं, जो विधायक बन जाते हैं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की थी।बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन ने फिल्म सरकार में बेहतरीन एक्टिंग की थी। साल 2005 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन राम गोपाल वर्मा ने किया था। यह अंग्रेजी फिल्म द गॉडफादर पर आधारित थी। सरकार फिल्म में अमिताभ ने सुभाष नागले का किरदार निभाया था, जो कि शिवसेना सुप्रीमो बाला साहब ठाकरे से प्रभावित था। यह एक पॉलिटिकल क्राइम थ्रिलर फिल्म है।बॉलीवुड के हैंडसम एक्टर रणबीर कपूर कई हिट फिल्में दे चुके हैं। साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म राजनीति में उन्होंने एक राजनेता का किरदार निभाया था। फिल्म में रणबीर एक पॉलिटिकल परिवार से ताल्लुक रखते थे। इस फिल्म की कहानी रणबीर कपूर के किरदार समर प्रताप के इर्द-गिर्द घूमती है।साल 2001 में रिलीज हुई शानदार पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म नायक आज भी काफी फेमस है। फिल्म में लीड एक्टर अनिल कपूर ने एक दिन के प्रधानमंत्री का किरदार निभाया था, जो कि खूब लोकप्रिय हुआ। हाल ही में फिल्म नायक 2 की घोषणा की गई है।राजनीति फिल्म में अजय देवगन ने भी एक दमदार किरदार निभाया था। फिल्म में उन्होंने सूरत कुमार का रोल प्ले किया था। उन्होंने इस किरदार से अपनी अलग ही छाप छोड़ी। इस फिल्म में अजय देवगन और रणबीर कपूर के साथ-साथ मनोज वाजपेयी भी राजनेता के रोल में नजर आए थे।

खेल सरोवर–खेल सरोवर–खेल सरोवर

रोहन बोपन्ना और मैथ्यू इबडेन की जोड़ी ने जीता मियामी ओपन का खिताब

मियामी। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स 1000 चैंपियन बनने के अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए आस्ट्रेलिया के जोड़ीदार मैथ्यू इबडेन के साथ यहां मियामी ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीता। इस साल अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 44 साल बोपन्ना और इबडेन की जोड़ी ने शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद शनिवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में क्रोएशिया के इवान डोडिग और अमेरिका के ऑस्टिन क्राजिसेक की जोड़ी पर 6-7(3), 6-3, 10-6 से रोमांचक जीत हासिल की। इस जीत के साथ बोपन्ना ने पिछले साल बनाए अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने बीते साल 43 बरस की उम्र में इंडियन वेल्स खिताब जीता था। उन्होंने इसके साथ ही युगल रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी हासिल किया। बोपन्ना ने जीत के बाद कहा, ''यह आश्चर्यजनक है।हम इन बड़े आयोजनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, हम इसी के लिए खेलते हैं।'' इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना पहला युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले बोपन्ना ने कहा, ''मैं मास्टर्स 1000 और ग्रैंड स्लैम में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। उस रिकॉर्ड को बरकरार रखना और बाकी सभी को कड़ी टक्कर देना अच्छा है।'' यह बोपन्ना का 14वां एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल था। इस अनुभवी भारतीय खिलाड़ी का यह 63वां एटीपी टूर स्तर का फाइनल और 26वां युगल खिताब था। बोपन्ना ने इस दौरान एक और उपलब्धि हासिल की। वह लिएंडर पेस के बाद सभी नौ एटीपी मास्टर्स स्पर्धाओं के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय बन गए।

रायबकिना को हराकर कोलिन्स बनीं मियामी ओपन चैम्पियन

मियामी गार्डन्स, । डेनिएल कोलिन्स ने मियामी ओपन टेनिस में विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज ऐलेना रायबकिना को 7-5, 6-3 से हराकर अपने घरेलू मैदान पर महिला एकल खिताब पर कब्जा किया। तीस साल की कोलिन्स आखिरी बार इस टूर्नामेंट में खेल रही है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी सत्र होगा क्योंकि वह 'एंडोमेट्रियोसिस' से पीड़ित हैं। यह एक दर्दनाक बीमारी है जो गर्भाशय को प्रभावित करती है। स्टेडियम में आंद्रे अगासी और मार्टिना नवरातिलोवा की मौजूदगी के बीच विश्व रैंकिंग में 59वें स्थान पर काबिज कोलिन्स अपने बैकहैंड से क्रॉसकोर्ट विनर लगाने के बाद 10 सेकंड तक कोर्ट पर लेटी रही। कोलिन्स ने इस यादगार जीत के बाद कहा, '' इस जीत के लिए मुझे पूरा जोर लगाना पड़ा और ऐलेना ने मैच के दौरान मेरी कड़ी परीक्षा ली। मैं आखिर में इस बात को लेकर शुक्रगुजार हूं कि उसे पछाड़ सकी।'' टूर्नामेंट की इस गैरवरीय खिलाड़ी ने कहा, '' प्रशंसकों के लिए, मैंने बहुत टेनिस खेला है, कुछ फाइनल खेले हैं, लेकिन इसके करीब कुछ भी नहीं था।'' कोलिन्स के करियर का यह तीसरा जबकि मास्टर्स 1000 स्तर का पहला खिताब है। वह इससे पहले सैन जोस में 2021 में चैंपियन बनीं थी।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले बाबर आजम को फिर मिली पाकिस्तान क्रिकेट टीम की कमान

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को टी20 विश्व कप से दो महीने पहले रविवार को फिर से सफेद गेंद प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया गया। यह निर्णय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की चयन समिति की सर्वसम्मत सिफारिश के बाद लिया गया। पीसीबी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, ''पीसीबी की चयन समिति की सर्वसम्मत सिफारिश के बाद बोर्ड अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बाबर आजम को पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के सफेद गेंद प्रारूप (वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय) कप्तान नियुक्त किया है।''बाबर ने पिछले साल नवंबर में भारत में वनडे विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के लिए तीनों प्रारूपों से कप्तानी छोड़ दी थी। बाबर ने तत्कालीन पीसीबी प्रमुख जका अशरफ के यह कहने के बाद अपनी भूमिका छोड़ दी थी कि वह अब सीमित ओवरों के प्रारूप में कप्तान नहीं रहना चाहते हैं और केवल टेस्ट टीम का नेतृत्व करना चाहते हैं। बाबर टी20 कप्तान के रूप में तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की जगह लेंगे, जिन्होंने जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में 1-4 की हार में पाकिस्तान का नेतृत्व किया था। टी20 विश्व कप एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में शुरू होगा।

उन्हें बस किचन में रहना चाहिए... महिला विरोधी टिप्पणी करने पर साइना नेहवाल ने कांग्रेस नेता को लताड़ा

स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने दावणगेरे सीट से बीजेपी उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वर पर की गयी महिला विरोधी टिप्पणी करने के लिए राज्य के अनुभवी कांग्रेस नेता शमनूर शिवशंकरप्पा की आलोचना की। दावणगेरे दक्षिण से 92 वर्षीय मौजूदा विधायक शिवशंकरप्पा ने कहा था कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और मौजूदा सांसद सिद्धेश्वर जीएम की पत्नी गायत्री 'केवल रसोई में खाना बनाना जानती हैं'।उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए नेहवाल ने अपने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कर्नाटक के एक शीर्ष नेता शमनूर शिवशंकरप्पा जी ने कहा है कि महिलाओं को रसोई तक ही सीमित रहना चाहिए। दावणगेरे से उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वरा पर की गयी इस लैंगिक टिप्पणी की कम से कम ऐसी पार्टी से उम्मीद नहीं की जा सकती जो कहते हैं कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं।''लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीतने वाली 34 वर्षीय नेहवाल ने कहा कि जब देश में महिलायें हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ने की ख्वाहिश रखती हैं तो महिलाओं के खिलाफ इस तरह की द्वेषपूर्ण टिप्पणी परेशान करने वाली हैं। उन्होंने लिखा, ''जब मैंने खेल के मैदान पर भारत के लिए पदक जीते तो कांग्रेस पार्टी मुझसे क्या चाहती थी, मुझे क्या करना चाहिए था? इस तरह क्यों कहा जा रहा है, जब सभी लड़कियां और महिलायें किसी भी क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करने का सपना देखती हैं।''नेहवाल ने लिखा, ''एक तरफ हम नारी शक्ति को वंदन कर रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सर के नेतृत्व में महिला आरक्षण विधेयक पारित किया गया है और दूसरी तरफ नारी शक्ति का अपमान और महिला विरोधी लोग। यह बहुत ही परेशान करने वाला है।'' शिवशंकरप्पा ने हाल में कहा, ''वह (गायत्री) ठीक से बोलना भी नहीं जानती। वह घर पर खाना पकाने के लिए फिट है।

स्वयं मतदान करें, परिवार, पास–पड़ोस के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने मतदाता जागरूकता के लिए दो पहिया वाहन रैली को हरी झंडी दिखाई

भोपाल । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने रविवार को मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने आगामी 7 मई को भोपाल लोकसभा सीट के लिए होने वाले मतदान में सभी नागरिकों से बढ़ चढ़कर मतदान करने की अपील की। उन्होंने प्रदेश के सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि खुद मतदान करें और परिवार, पास पड़ोस के नागरिकों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें।इस अवसर पर भोपाल, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह, सीईओ जिला पंचायत एवं नोडल स्वीप श्री ऋतुराज, आयुक्त नगर निगम श्री हरेंद्र नारायण सहित रैली में अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।भोपाल का मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित मतदाता जागरूकता वाहन रैली का सुबह 7.30 बजे लालघाटी चौराहे से शुभारंभ हुआ। यह रैली वीआईपी रोड, गौहर महल, जहांगीराबाद होते हुए शौर्य स्मारक, अरेरा हिल्स पहुंची।शौर्य स्मारक पर रैली का समापन हुआ। रैली में शामिल विभिन्न बाइकर्स ग्रुप, क्लब के सदस्यों सहित 2500 से अधिक नागरिकों ने रैली में मतदाता जागरूकता का संदेश दिया।

नई आबकारी नीति लागू, 15 प्रतिशत बढ़ जाएंगे शराब के दाम

भोपाल। एक अप्रैल यानि आज से प्रदेश में नई आबकारी नीति लागू हो जाएगी।इसके चलते अंग्रेजी शराब से लेकर बियर तक की दरों में 15 प्रतिशत तक वृद्धि हो जाएगी। जिससे अब सुरा प्रेमियों को जेब अधिक ढीली करनी होगी।बताया जा रहा है नई नीति के तहत बियर, ब्रांडी, व्हिस्की और रम की दरों में 150 से लेकर 200 तक बढ़ोतरी हो जाएगी। इधर, राजधानी सहित प्रदेश भर में शराब दुकानों का नवीनीकरण हो गया है।पांच प्रतिशत दुकानों को छोड़ दिया जाए तो 95 प्रतिशत का नवीनीकरण रिजर्व प्राइस 15 प्रतिशत पर हुआ है।दरअसल, राजधानी की 87 शराब दुकानों के लिए लक्ष्य 916 करोड़ तय किया गया है। जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 793 करोड़ था। आबकारी विभाग ने तय लक्ष्य 916 करोड़ के एवज में घटकर 2.42 प्रतिशत कम रहा, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 के वार्षिक मूल्य से बढ़कर 12.22 प्रतिशत से अधिक है। प्रदेश के सभी जिलों की 3600 कम्पोजिट मदिरा दुकानों का निष्पादन छोटे समूह में किया गया। आबकारी विभाग ने करीब 15000 करोड़ रुपए का लक्ष्य रखा है।रविवार को अंतिम दिन तीन समूह आरएसके, हमीदिया रोड और स्टेशन बजरिया के लिए ई-बोली लगाई गई। इस दौरान तीनों समूह के लिए 33 टेंडर विभाग को मिले। रविवार को तय रिजर्व प्राइस से घटकर सात प्रतिशत कम राशि पर आरएसके और 16 प्रतिशत कम पर स्टेशन बजरिया के टेंडर स्वीकार कर लिए गए। वहीं हमीदिया रोड समूह की दुकानों के लिए देर रात तक मशक्कत चलती रही। रात में घटकर 25 प्रतिशत पर इस समूह को भी नीलाम कर दिया गया।16 समूहों की शराब दुकानें नवीनीकरण के माध्यम से की गई। इससे विभाग को 427 करोड़ का राजस्व मिला। दस समूह की दुकानें लाटरी की माध्यम से हुई। इससे विभाग को 303 करोड़ का राजस्व मिला। नौ समूह की शराब दुकानें ई-टेंडर के माध्यम से नीलाम हुई। विभाग को इससे 164 करोड़ का राजस्व मिला। यह राशि तय लक्ष्य से घटकर 2.42 रही। विभाग ने 916 करोड़ का लक्ष्य किया था, जबकि उसे 894 करोड़ का राजस्व मिला।

मध्य प्रदेश में सफर हुआ महंगा

10 हाईवे पर बढ़ा टोल टैक्स

भोपाल। मध्य प्रदेश में आज से टोल टैक्स, प्रॉपर्टी सहित अन्य चीजें महंगी हो गई है। जिसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। जहां प्रदेश की 102 टोल बैरियर में से 10 मार्गों पर टोल टैक्स में बढ़ोतरी की गई है, तो वहीं प्रॉपर्टी के रेट भी बढ़ चुके हैं, कुछ स्थानों पर इसकी कीमत 95 फीसदी तक बढी है। इसके साथ ही रजिस्ट्री भी महंगी हो गई है,लिहाजा रजिस्ट्री पर सरकार अधिक स्टांप ड्यूटी वसूलेगी।जिला और केंद्रीय मूल्यांकन समिति के निर्णय के चलते जमीनों के दाम दो गुना बढ़ गए हैं। राजधानी भोपाल में कुछ स्थानों पर प्रॉपर्टी रेट में 95 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। प्रॉपर्टी की बढ़ी कीमतों का असर इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन सहित अन्य जिलों में हुआ है।इधर, मध्य प्रदेश के 4 नेशनल और 6 स्टेट हाईवे पर टोल टैक्स में वृद्धि की गई है। यह बढ़ोतरी होलसेल प्राइस इंडेक्स (थोक मूल्य सूचकांक) के आधार पर हुई। साथ ही स्क्क्रष्ट की देखरेख में संचालित होने वाले स्टेट हाईवे के टोल टैक्स में भी बढ़ोतरी का प्रावधान किया गया था। जिसमें 1 अप्रैल से टोल टैक्स में वृद्धि की बात कही गई।इसके अलावा यूपीआई से पेमेंट करना भी आज से महंगा हो सकता है। दरअसल, यूपीआई की गवर्निंग बॉडी ने 2000 रुपये से अधिक के पेमेंट पर प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट फीस वसूलने की घोषणा थी। हालांकि इस फैसले का असर उपभोक्ताओं पर नहीं होगा और इस फीस का असर मर्चेंट ट्रांजेक्शन पर होगा।

12 बजे रात तक खुले पंजीयन कार्यालय

पुरानी दरों पर हुई 800 रजिस्ट्रियां

भोपाल। वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंतिम दिन रविवार को रात 12 बजे तक पंजीयन कार्यालय खोले गए। जहां पुरानी दरों पर रजिस्ट्री कराने के लिए खरीदारों की भीड़ देर रात तक लगी रही और लगभग 800 रजिस्ट्रियां दर्ज की गईं। पंजीयन विभाग ने 1300 स्लाट खोले थे, लेकिन सेवा प्रदाताओं ने एक हजार स्लाट बुक किए थे।बता दें कि रजिस्ट्री का यह आंकड़ा मार्च महीने का प्रतिदिन के हिसाब से सबसे अधिक है ।जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष का अंतिम दिन होने की वजह से रविवार को आइएसबीटी, परी बाजार और बैरसिया स्थित पंजीयन कार्यालय खोले गए।साथ ही विभाग ने प्रति सब रजिस्ट्रार 100 स्लाट कर दिए थे। जिससे 1300 स्लाट में से कुल एक हजार स्लाट खरीदारों ने रजिस्ट्री कराने के लिए बुक कराए थे।कार्यालयों में सुबह 10 बजे से ही खरीदारों की भीड़ लगना शुरू हो गई थी।पुरानी दरों पर अधिक से अधिक रजिस्ट्री कराने का लाभ लोगों ने अंतिम दिन उठाया और लगभग 800 रजिस्ट्रियां देर रात 11 बजे तक की जा चुकी थी।बता दें कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में भोपाल जिले को कुल 1372 करोड़ का लक्ष्य दिया गया था।पंजीयन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अब तक लगभग 81 हजार रजिस्ट्रियां दर्ज की जा चुकी हैं।साथ ही विभाग ने लगभग लक्ष्य भी पूरा कर लिया है।नई कलेक्टर गाइडलाइन के आधार पर बढ़ी हुई दरों पर रजिस्ट्री तीन अप्रेल से होंगी। असल में अगले दो दिन तक संपदा पोर्टल पर नई कलेक्टर गाइडलाइन अपलोड की जाएगी। इसके कारण पंजीयन कार्यालय तो खुलेंगे लेकिन रजिस्ट्री नहीं होंगी। यदि 31 मार्च को किसी का स्लॉट बुक हुआ है और उसकी रजिस्ट्री नहीं हो सकी है तो एक अप्रेल को उसकी रजिस्ट्री हो सकेगी।

छिंदवाड़ा में कमल नाथ को फिर झटका

महापौर विक्रम अहाके भी हुए भाजपा के, बोले– ऐसी पार्टी में नहीं रहना जहां आदिवासियों का अपमान हो

छिंदवाड़ा महापौर विक्रम भाई ने कहा कि उन्हें ऐसी पार्टी में नहीं रहना जहां आदिवासियों का अपमान हो। वे आज भाजपा में शामिल हो रहे हैं, इनके साथ ही सभापति भी शामिल हुए हैं। आज घोषणापत्र को लेकर समिति की बैठक

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में कमल नाथ को सीएम डाक्टर मोहन यादव के दौरे के पहले फिर बड़ा झटका लग गया है। नगर निगम के महापौर विक्रम अहाके कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ले ली है।इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा-नकुल नाथ ने आदिवासी अंचल का अपमान किया है। छिंदवाड़ा महापौर विक्रम भाई ने कहा कि उन्हें ऐसी पार्टी में नहीं रहना जहां आदिवासियों का अपमान हो। इसके लिए महापौर सीएम हाउस पहुंच गए थे और सुबह नौ बजे भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। इसके पहले भी कांग्रेस के 7 पार्षदों ने भाजपा की सदस्यता ली थी। छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहाके भाजपा प्रदेश नेताओं के संपर्क में रहे। अभी मुख्यमंत्री निवास पर छिंदवाड़ा के कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हुए।मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव का सोमवार को छिंदवाड़ा आगमन हो रहा है। मुख्यमंत्री चौरई में रोड शो करेंगे। जिसके बाद शहपुरा में सभा को संबोधित करेंगे। रात्रि 8.30 बजे जिला मुख्यालय में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में व्यापारियों को भी आमंत्रित किया गया है। छिंदवाड़ा में रात्रि विश्राम के बाद मुख्यमंत्री मंगलवार सुबह सामाजिक बंधुओं की बैठक में शामिल होंगे।इस मौके पर मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा-कमल नाथ ने कई गड़बड़ी की है। नकुल नाथ ने आदिवासी अंचल का अपमान किया है। इससे आहत होकर है, हम दिल्ली जा रहे हैं। हम हमारी योजनाएं भी लेकर जा रहे हैं।विक्रम अहके पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के खास करीबी रहे हैं। पिछले नगर निगम चुनाव में महापौर का पद एसटी वर्ग के लिए आरक्षित था, कांग्रेस में आधा दर्जन से ज्यादा दावेदार थे, लेकिन सबको पीछे छोड़कर विक्रम अहके को टिकट दिया गया। वे सिंगोड़ी ब्लॉक से आते है। ग्राम पंचायत चुनाव में पांचवे नंबर पर रहे थे, लेकिन कमल नाथ ने भविष्य की संभावना को देखते हुए उन्हें महापौर का टिकट दिलाई। विक्रम ने भी भाजपा के अंतू धुर्वे को करीबी अंतर से पराजित किया। उनकी मां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता थीं, किसान परिवार से ताल्लुक रखते थे।

20 फीट ऊंची बल्ली पर चढ़कर युवाओं की टोली ने उतारी गुड़ की पोटली, 100 साल पुरानी अनोखी परंपरा का किया निर्वाह

बड़वानी । मंडवाड़ा के समीप स्थित ग्राम मुंड़ियापुरा में बरसों पुरानी परंपरा का निर्वाह किया गया। पुरानी पीढ़ी की इस परंपरा को नई पीढ़ी के युवाओं ने जीवंत रखते हुए पूरा किया। रंगपंचमी के उपलक्ष्य में यहां पर गुड़ तोड़ने की परंपरा का निर्वाह करते हुए युवाओं की टोली ने करीब 20 फीट की बल्ली पर चढ़कर गुड़ तोड़ा।वहीं ग्रामीणों ने गोट (सामूहिक भोज) का भी आयोजन किया। गांव के बुजुर्गों के मार्गदर्शन में चली आ रही बरसों पुरानी परंपरा को नई पीढ़ी के युवाओं व ग्रामीणों के द्वारा निर्वाह किया।गांव के बीच प्रमुख मार्ग पर ऊंचाई पर गुड़ रखा गया जिसे युवाओं ने तोड़ा। जनपद सदस्य राधेश्याम बर्डे ने बताया कि यह परंपरा बरसों पुरानी है। जिसका निर्वहन किया गया है।मुंडियापुरा गांव के क्षत्रिय भिलाला समाज एकजुट होकर यह विशेष पर्व मनाते हैं। यहां पर आदिवासी समाज के करीब 450 घर है। युवाओं पर लकड़ी से वार और पानी की बौछार की गई।इस परंपरा के तहत बीस फीट की एक मोटी बल्ली जमीन में गाढ़ दी जाती है और उसके सबसे ऊपरी छोर पर कपड़े में गुड़ बांध दिया जाता है। इस पोटली को लेने युवा बल्ली पर सात बार चढ़ते हैं तो उनके ऊपर पानी सोंटा और गुलाल बरसाया जाता है। साथ ही महिलाएं हरी लड़कियों से वार करती है और पानी की बौछार भी की जाती है। इस पोटली को कुल सात बार उतारा जाता है और इस पोटली में बंधे गुड़ की प्रसादी वितरित की जाती है। गुड़ तोड़ने की होड़ लग जाती है। फिसलन के बीच युवाओं ने गुड़ तोड़ा।आयोजन में गोट (सामूहिक भोज) का आयोजन किया गया। इसमें प्रत्येक घर से अनाज एकत्रित कर भोजन बनाया गया और उसका वितरण किया गया। साथ ही दोपहर बाद पुराने छात्रवास में मटकी भी फोड़ी गई। इस दौरान आयोजन में ग्रामीण सहित महिलाएं भी बड़ी संख्या में मौजूद रही।

जयकार के घोष के साथ साईलेंट बाबा को महंत गादी पर बैठाया

उज्जैन के समस्त संतो का अंकपात में जमावड़ा, शोभा यात्रा निकली

उज्जैन। अंकपात क्षेत्र स्थित श्री राम जनार्दन मंदिर के सामने स्थित श्री गुरू बालक धाम पर रविवार की दोपहर उज्जैन के सभी अखाड़ो के संत-महंत-महामंडलेश्वर एकत्रित हुए। श्री गुरू बालकधाम के पीठाधिश्वर बालयोगी संत श्री बालकृष्णदास जी (साईलेंट बाबा) को महंतश्री के पद पर आसीन कर उनकी कंठी-चादर की विधि सम्पन्न कराई गई।

महंत श्री बालकृष्णदास जी महाराज विगत करीब एक दशक से मौन साधना कर रहे है। रविवार को श्री पंच रामानंदीय दिगंबर अनी अखाड़ा उज्जैन व श्री षट्दर्शन संत मंडल उज्जैन द्वारा महंत श्री बालकदास जी महाराज लोहालंगडी खेड़ीघाट बड़वाह के कृपापात्र शिष्य संत श्री बालकृष्णदास जी (साईलेंट बाबा) को महंताई प्रदान की गई। महंताई में उज्जैन षट्दर्शन संत मंडल के समस्त संत-महंत, महामंडलेश्वर उपस्थित रहे व समस्त संत-महंतो द्वारा

संत श्री बालकृष्णदास जी (साईलेंट बाबा) गुरू महंत श्री बालकदास दास जी को चादर विधि -कंठी दी गई। उक्त महंताई कार्यक्रम में तीनो अनी के निशान का विधिवत पूजन कर समस्त संत व महंतो को भेंट-दक्षिणा प्रदान कर सम्मानित किया गया। उक्त आयोजन से पूर्व संपूर्ण अंकपात क्षेत्र में अखाड़ो के निशान के रूप में श्री हनुमान जी महाराज का भव्य चल समारोह निकाला गया। आयोजन में प्रमुख रूप से रामादल अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत डा. रामेश्वरदास जी महाराज, महंत श्री बालकदास जी महाराज, महंत श्री भगवानदास जी महाराज, महंत श्री रामचंद्रदास जी दिगंबर अखाडा, महंत श्री दिग्विजय दास जी महाराज निर्वाणी अखाड़ा, महंत श्री रामसेवक दास जी, महंत श्री महेशदास जी महाराज निर्मोही अखाड़ा, महंत श्री रामेश्वरगिरी जी महाराज, महंत श्री राजेश गुरू जी त्यागी महाराज, महंत श्री आनंदपुरी जी महाराज, महंत श्री काशीदास जी महाराज सहित उज्जैन के अन्य संत व महंतों ने उपस्थित रहकर श्रीगुरू बालकधाम के पीठाधिश्वर बालकृष्णदास जी महाराज को शुभकामनाएं प्रदान की।

एरान बुसनेल की स्मृति में दूध, ब्रेड फल का वितरण, पौधारोपण किया

उज्जैन। निर्दोष फिलिस्तीनियों के प्रति दुनिया को ध्यान दिलाने के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले अमेरिकी महान सैनिक एरान बुसनेल की स्मृति में अपंग आश्रम में दूध, ब्रेड फल का वितरण एवं पौधारोपण किया गया।सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज जायसवाल एवं संरक्षक सैयद अबीद अली मीर ने बताया कि रविवार को महाकाल रोड स्थित अपंग आश्रम में निर्दोष फिलिस्तीनियों के लिए दुनिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले महान अमेरिकी सैनिक एरान बुशनेल की स्मृति में सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी द्वारा अपंग आश्रम में स्वर्गीय एरान की स्मृति में आश्रमवासीयों को दूध, ब्रेड और फल का वितरण किया गया। साथ ही एरान की स्मृति में पौधारोपण किया गया एवं 2 मिनट का मोन रख शहीद एरान को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उप संयोजक सैयद उस्मान हसन और सचिव धर्मेंद्र राठौर ने बताया कि शहीद एरान बुशनेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए समाजसेवी आजम खान ने कहा कि अपने लिए तो सभी जीते हैं लेकिन दूसरों के दुख दर्द के लिए अपने प्राणों का बलिदान जिसके अंदर इंसानियत और मानवता बची है वही कर सकता है। आज पूरी दुनिया के शासक निर्दोष फिलिस्तीनियों का नरसंहार होते हुए देख रहे हैं लेकिन दुनिया के किसी भी शासक का जमीर नहीं जाग रहा। ऐसे में दुनिया का ध्यान फिलिस्तीनों की ओर दिलाने के लिए एवं निर्दोष फिलिस्तीनियों का नरसंहार रोकने और फिलिस्तीन की स्वतंत्रता की मांग करते हुए इजरायल दूतावास के सामने अपने प्राणों का बलिदान कर दुनिया का फिलिस्तीनियों के नरसंहार के प्रति ध्यान आकर्षित किया ऐसे महान आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। मार्गदर्शक इकबाल उस्मानी ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा महान बहादुर एरान के बलिदान को यह दुनिया और खासकर फिलिस्तीन नागरिक तो कभी नहीं भूला पाएंगे। आज भी दुनिया में ऐसे लोग हैं जिनके लिए धर्म और जातिवाद के ऊपर इंसानियत, मानवता सर्वप्रथम है उसी का एक जीता जागता प्रमाण एरान थे। जिन्होंने फिलिस्तीनियों को इंसाफ दिलाने के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर मानवता को जीवित किया। एरान की महानता का एक और सबूत यह है कि उन्होंने अपनी सारी संपत्ति फिलिस्तीन बच्चों के नाम दान कर दी। अमर शहीद एरान को गंगाधर माह, उपसंयोजक सैयद उस्मान हसन, एडवोकेट रामचंद्र सोलपंखी, नासिर मंसूरी, संजय जोगी, पं. दीपक पांडे, शरीफ खान, समाजसेवी शाकिर शेख, रिंकू सिंह आनंद, जमीर अब्बास, वकील मंसूरी, जाहिद नूर एडवोकेट, महेंद्र कटियार, अनुदीप गंगवार, विनीत सोल्पंखी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उपरोक्त जानकारी प्रचार सचिव चेतन ठक्कर और सैयद आशिक अली ने दी।

पशुपतिनाथ मंदिर में महाकाल महिला मंडल ने खेली होली

होली मिलन समारोह में एक दूसरे को लगाई गुलाल, भजनों पर झूमे

उज्जैन। महाकाल महिला मंडल का होली मिलन समारोह पशुपतिनाथ मंदिर पर आयोजित किया गया।महाकाल महिला मंडल अध्यक्ष गीता यादव के अनुसार समारोह में महिलाओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाया। फूलों से भजनों के साथ होली खुली। इस दौरान पुष्पा राठौर, कृष्णा ठाकुर, संजू लता यादव, उमा शर्मा, कविता राठोर, शारदा सहित समस्त महाकाल महिला मंडल सदस्याएं मौजूद रहीं।

जीतो रन में दिया अहिंसा का संदेश

उज्जैन। जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गनाईजेशन (जीतो) द्वारा उज्जैन में अहिंसा रन का आयोजन रविवार को कोठी पैलेस से किया। दो हिस्सों 3 किमी और 5 किमी की दौड़ में करीब 800 शहरवासियों ने शामिल होकर अहिंसा का संदेश दिया।जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गनाईजेशन (जीतो) उज्जैन की चेयरपर्सन मंजू सूर्या और चीफ सेकेट्री प्रीति मूथा ने बताया कि अहिंसा को प्रमोट करने और अहिंसा को घर-घर पहुंचाने के उद्देश्य से देशभर में जीतो अहिंसा रन का आयोजन किया गया था। 31 मार्च को हुई जीतो अहिंसा रन को अतिथि के रूप में मौजूद सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, निगम सभापति कलावती यादव, ओम जैन, डॉ. सतिंदर सलूजा, डॉ व्ही के महाडिक आदि ने झंडी दिखाकर एवं गुब्बारे उड़ाकर प्रारंभ किया। कोठी से तरणताल, देवासरोड़ होते हुए पुनः कोठी पहुंची दौड़ में शहर के सभी वर्ग-समुदाय के नागरिक शामिल हुए। मंजू सूर्या और प्रीति मूथा ने बताया कि जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गनाईजेशन ने अहिंसा के संदेश को जन-जन और घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। इसी क्रम में अहिंसा का प्रचार करने के लिए रविवार को उज्जैन के साथ ही देश के अनेक शहरों में जीतो अहिंसा रन आयोजित की गई।

भोजन शाला में भोजन सेवा में दान देने वाले दाताओं के नाम

क्रमांक	दिनांक	दानदाता का नाम	स्थान	जन्मदिन-स्मृति में भोजन सेवा	राशि
1.	31.03.2024	श्री आशीष शर्मा	नईदिल्ली	स्वयं के जन्मदिन के उपलक्ष्य में	आज का भोजन
2.	31.03.2024	श्रीमती ताराबाई कोठारी	राजनगर,उज्जैन	स्व.प्रकाशचंद्र कोठारी की पुण्य स्मृति में	आज का भोजन

उज्जयिनी सेवा समिति द्वारा जिला चिकित्सालय उज्जैन में संचालित भोजन शाला में पिछले 25 वर्षों से समिति भोजन सेवा दे रही है। प्रतिदिन सैकड़ों जरूरतमंद और उज्जैन आने वाले यात्री मात्र 5 रू. में स्वादिष्ट भरपेट भोजन कर रहे हैं। रविवार दिनांक 31 मार्च को भोजनशाला में कुल 268 लोगों ने भोजन प्रसादी प्राप्त की।

कार और मोटरसाइकिल की टक्कर में एक मृत

उज्जैन/ शिवांश कॉलोनी के गेट के पास एक कार चालक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिसमें एक मृत हो गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना चिमनगंज मंडी के अंतर्गत शिवानी से कॉलोनी के गेट के पास एक कर चालक ने अपना वाहन लापरवाही पूर्वक चलाते हुए तेज गति से एक मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। थाने के उप निरीक्षक जितेंद्र सोलंकी ने बताया कि इस घटना में आगर रोड पर खिलचीपुर के निवासी 27 वर्षीय अखिलेश पिता विक्रम गुणाव दिया की मृत्यु हो गई।

महिलाओं ने मनाया शीतला सप्तमी का त्यौहार

उज्जैन(सुशील दुबे)। महिलाओं ने आज तड़के उठकर शीतल सप्तमी को याद किया। महिलाओं में आज के दिन बासी खाना खाने का व्रत रखा इसलिए भोजन कल की बना लिया था। शीतला सप्तमी का महत्व इसलिए भी है की होली से गर्मी के मौसम की शुरुआत हो जाती है इसलिए ठंडा ठंडा खाने के लिए महिलाएं व्रत रखती हैं। इसके अलावा अनेक बीमारियों से भी शीतला माता रक्षा करती है।

आज सुबह से ही शहर के शीतला माता मंदिरों में महिलाओं की भीड़ लगना शुरू हो गई थी। इस अवसर पर महिलाओं ने विशेष श्रंगार कर शीतला माता का विधिवत पूजन किया है। शीतला सप्तमी को बासी खाने की मान्यता है इसलिए एक दिन पूर्व की घर की महिलाओं ने भोजन तैयार कर रख दिया था और घर के सभी के सदस्यों को बासी खाना ही खिलाया। ऐसी मान्यता है की होली के बाद गर्मी का मौसम शुरू हो जाता है इसलिए शीतला सप्तमी के दिन ठंडा खाना खाया जाता है। ठंडा या बासी खाना खाने से शरीर की जो गर्मी है वह निकल जाती है। शीतला माता के पूजन से परिवार के सभी सदस्यों को अनेक बीमारियों से साल भर छुटकारा मिल जाता है इसलिए भी शीतला माता को पूजा जाता है। शहर के शीतला माता मंदिरों में अल सुबह से ही महिलाओं की भीड़ लगना शुरू हो गई थी। अपने पति की लंबी उम्र और साल भर अपने बच्चों को किसी भी बीमारी से बचाने के लिए शीतला माता का व्रत किया गया। आज सुबह से ही शीतला माता मंदिरों में महिलाओं की भीड़ लगना शुरू हो गई थी बाकायदा थाली में पूजन की सामग्री लेकर महिलाएं शीतला माता मंदिर पहुंच रही थी। बंसी और ठंडा खान की मान्यता भी घरों घर में की गई और बासी खाना खाया गया।

कालभैरव मंदिर के बाहर फूल-प्रसाद बेचने वालों ने श्रद्धालुओं को पीटा, अवैध गुमटियों पर चला बुलडोजर

उज्जैन। कालभैरव मंदिर के बाहर रविवार को मुंबई से आए श्रद्धालुओं के साथ फूल-प्रसाद बेचने वालों ने जमकर मारपीट कर उनका सिर फोड़ दिया। नाबालिग किशोर व किशोरियों को भी पीटा और उनके कपड़े तक फाड़ दिए। दो श्रद्धालुओं को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मामले में पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ गंभीर धारा में केस दर्ज किया है। वहीं, प्रशासन ने दोपहर बाद अवैध रूप से लगी गुमटियों व फूल प्रसाद बेच रहे लोगों को वहां से हटा दिया। बता दें कि फूल-प्रसाद बेचने वाले आए दिन श्रद्धालुओं से अभद्रता करते हैं।भैरवगढ़ पुलिस ने बताया कि एडवोकेट अमरदीप पुत्र रमेश भट्टाचार्य उम्र 46 वर्ष निवासी मुंबई पत्नी शैलजा, भाई ऋषिकेश, भाभी अनुपमा व बच्चे जीत, युवराज, नेत्रा, स्विता के साथ उज्जैन दर्शन करने के लिए आए थे। वे रविवार सुबह भस्म आरती के पश्चात सपरिवार कालभैरव के दर्शन करने मैजिक वाहन चालक कमल कुमार के साथ गए थे। जहां पार्किंग में वाहन रखकर सभी ने प्रसाद खरीदा और दर्शन करने चले गए।अमरदीप के वापस लौटने पर फूल-प्रसाद बेचने वाला राजा मालवीय व उसके साथी कमल कुमार से विवाद करने लगे कि उन्होंने राजा से फूल-प्रसाद क्यों नहीं लिया। इसके एवज में 200 रुपये की मांग करने लगे। अमरदीप व उसके भाई ने बीचबचाव कर रुपये देने से इंकार किया तो राजा व उसके साथी अभद्रता करने लगे और उन्हें घेर लिया। राजा व उसके साथियों ने अमरदीप, ऋषिकेश व नाबलिग बच्चों के साथ मारपीट की।आरोपितों ने दोनों भाइयों के सिर पर लोहे की राड मार दी, जिससे सिर में गंभीर चोट लगी है। उपचार के लिए उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। एसपी प्रदीप शर्मा का कहना है कि आरोपित राजा मालवीय व उसके साथ साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। वहीं कलेक्टर नीरज सिंह को भी इस संबंध में सूचना दी गई है कि काल भैरव मंदिर क्षेत्र में अवैध दुकान संचालित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए राजस्व की टीम को भेजा जाए।फूल-प्रसाद बेचने वाले अवैध रूप से मदिरा का भी विक्रय करते हैं। आए दिन श्रद्धालुओं से पार्किंग व प्रसाद लेने को विवाद करते रहते हैं। साथ ही उनकी दुकान से प्रसाद लेने के लिए दबाव भी बनाते हैं। कई बार तो श्रद्धालु के वाहन से उतरते ही पकड़कर अपनी दुकान पर लेकर चले जाते हैं। श्रद्धालु के मना करने पर अभ्रदता व मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। पुलिस भी इन पर कोई कार्रवाई नहीं करती है। मंदिर के बाहर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी केवल मूकदर्शक बनकर खड़े रहते हैं।

मारवाड़ी माली समाज में पति-पत्नी की होली का आयोजन आज

उज्जैन। श्री मारवाड़ी माली समाज उर्दूपुरा के तत्वावधान में शीतला सप्तमी के अवसर आज शाम 5.30 बजे उर्दूपुरा चौराहे पर होली का आयोजन किया जाएगा। मथुरा-वृंदावन की लट्ठमार होली के बाद उज्जैन में माली समाज की होली अलग ही होती है।यह जानकारी देते हुए मारवाड़ी माली समाज के सांस्कृतिक मंत्री मनोहर गेहलोत ने बताया कि समाज के अध्यक्ष लीलाधर भाटी बस वाले के मार्गदर्शन में होली खेली जाएगी। चौराहे पर कढ़ाव में केसरिया रंग भरा जाएगा। माली समाज की इस होली को देखने के लिए दूर-दूर से देखने के लिए माली समाज के लोग आते हैं। माली समाज की इस होली में रंग-गुलाल सिर्फ समाजजनों को लगाया जाता है। जबकि अन्य समाज के लोगों पर रंग-गुलाल नहीं डाला जाता। उर्दूपुरा में पति-पत्नी के बीच शीतला सप्तमी पर होली की परम्परा वर्षों से चली आ रही है। इस आयोजन को सफल बनाने का अनुरोध समाज के वरिष्ठ रमेश सांखला, बाबूलाल मारोठिया, किशोर कुमार भाटी, विनोद दग्दी, गजेंद्र मारोठिया, नितिन गेहलोत, शैलेन्द्र गेहलोत आदि ने किया है।

सर पर ईंट मार कर घायल किया

उज्जैन/ सर पर ईंट मार कर घायल किया है। मामले के अनुसार फरियादी ने आरोपी की बहू को गाली देने से मना किया था।प्राप्त जानकारी के अनुसार माधव नगर थाने के अंतर्गत तरण ताल के पास फरियादी ने आरोपी की बहू को गाली देने से मना किया तो आरोपी में सिर पर ईंट मार कर घायल कर दिया है। यह जानकारी घटना में घायल तराना निवासी 55 वर्षी विक्रम पिता सिद्धनाथ मालवीय ने दी ।जिनका हाल मुकाम तरण ताल के पास है।

कार और मोटरसाइकिल की टक्कर में एक घायल

उज्जैन/ विक्रम नगर रेलवे स्टेशन के सामने मेंन रोड पर एक कर चालक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिसमें एक घायल हो गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार माधव नगर के सहायक उप निरीक्षक लक्ष्मीकांत ने बताया कि विक्रम नगर रेलवे स्टेशन के सामने मुख्य रोड पर एक कार चालक ने अपना वाहन लापरवाही पूर्वक एवं तेज गति से चलते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिसमें विक्रम नगर के पास गांधीनगर निवासी 23 वर्षीय विजय पिता संजय छापरी घायल हो गए हैं।

पिकअप और मोटरसाइकिल की टक्कर में दो घायल

उज्जैन/ ग्राम भैसोदा फंटे पर एक पिकअप वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिसमें एक बालक सहित मोटरसाइकिल चालक घायल हो गया है।खाना पावसा के अंतर्गत ग्राम भैसोड़ा घंटे पर एक पिकअप वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिसमें 15 वर्षी बालक अमित पिता ईश्वर राठोर एवं घनश्याम पिता राजाराम राठौर उम्र 45 वर्ष घायल हो गए हैं। यह जानकारी नरवर अंतर्गत बाल उम्मीद के 42 वर्षीय ईश्वर पिता राजाराम राठौर ने दी।

शराब के अवैध परिवहन पर तीन मामले दर्ज

उज्जैन/ थाना चिमनगंज मंडी में शराब के अवैध परिवहन के तीन मामले दर्ज किए गए हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना चिमनगंज मंडी के अंतर्गत कहानी पूरा मल्टी के सामने से सहायक उप निरीक्षक दिनेश पर कड़े ने अवैध परिवहन का मामला दर्ज किया है। इसी प्रकार प्रधान आरक्षक ज्ञान सिंह ने सेंटपाल स्कूल के सामने से एवं प्रधान आरक्षक मनोज चावला ने माल गोदाम के पीछे से शराब के अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा है।

आज से एक दिन छोड़ कर होगा जल प्रदाय

उज्जैन। क्षिप्रा नदी में बार-बार प्रदूषित कान्ह नदी का पानी मिलने से जलप्रदाय व्यवस्था में आ रहे व्यवधानों से शहर की पेयजल व्यवस्था बाधित हो रही है , इसके कारण प्रतिदिन जलप्रदाय में शहर की संपूर्ण टंकियों को एक साथ भरने में आ रही समस्या के दृष्टिगत तथा ग्रीष्म ऋतु में शहर वासियों को पर्याप्त रूप से पेयजल उपलब्ध कराने हेतु आज दिनांक 31 3.2024 को आयुक्त नगर पालिका निगम उज्जैन एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा की गई पेयजल समीक्षा में यह निर्णय लिया गया है कि दिनांक 1 अप्रैल 2024 से संपूर्ण शहर में प्रतिदिन के स्थान पर एक दिन छोड़कर जल प्रदाय किया जाएगा। इस क्रम में दिनांक 1 अप्रैल 2024 को उज्जैन उत्तर क्षेत्र में निर्धारित समय प्रातः 7.30 से 8.30 तक तथा दिनांक 2 अप्रैल 2024 को उज्जैन दक्षिण क्षेत्र में पूर्व निर्धारित समय अनुसार प्रातः 5.30 से 6.30 तक जलप्रदाय किया जाएगा तथा आगामी आदेश तक इसी क्रम में जलप्रदाय जारी रहेगा।इंदिरानगर (वार्ड क्रमांक 16 को छोड़कर) खिलचीपुर और कानीपुरा टंकी तथा वार्ड क्रमांक 2 के डायरेक्ट सप्लाई वाले क्षेत्रों में उज्जैन दक्षिण क्षेत्र के साथ-साथ जलप्रदाय किया जाएगा। नागरिकों को होने वाली असुविधा के लिए खेद है नागरिकों से अपील की जाती है कृपया सहयोग प्रदान करें।

अवकाश के दिन भी संपत्ति कर टीम द्वारा बकाया संपत्ति कर वसूलने की कार्रवाई की गई

उज्जैन। रविवार 31 मार्च तक बकाया संपत्ति कर में दी जा रही छूट का अंतिम अवसर था जिसका लाभ प्राप्त करते हुए शहरवासियों द्वारा अपना बकाया संपत्ति कर जमा कराया गया। रविवार को अवकाश के दिन भी निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक के निर्देश अनुसार संपत्ति कर टीम द्वारा समस्त झोन के संपत्ति कर अधिकारियों द्वारा अपने स्टाफ के साथ झोन अंतर्गत बड़े बकायेदारों को सूचित करते हुए बकाया संपत्ति कर वसूल करने की कार्यवाही संपत्ति कर विभाग की उपायुक्त श्रीमती आरती खेडेकर के मार्गदर्शन में की गई। एवं समस्त झोन अंतर्गत कुल 75.97 लाख से अधिक का सम्पत्तिकर वसूला गया जिसके क्रम में झोन क्रमांक 4 माधव क्लब स्थित होटल क्षिप्रा रेसीडेंसी पर 11,38,258 रुपए की बकाया राशि का संपत्ति कर वसूल किया गया, झोन क्रमांक 5 अंतर्गत 7,00,000 की राशि वेयरहाउस संचालक सोनम अग्रवाल से, 2,67,000 की राशि पाटीदार वेयरहाउस से, 1,90,000 श्याम अग्रवाल से एवं आईटीआई कॉलेज पर 1,81,000 का संपत्ति कर वसूल किया गया, इसी के साथ झोन क्रमांक 6 अंतर्गत सार्वजनिक पुरवइया समाज धर्मशाला पर 3,62,000 का संपत्ति कर वसूला गया। समस्त झोन अंतर्गत कुल 75.97 लाख से अधिक का सम्पत्तिकर वसूला गया।संपत्ति कर वसूली में समस्त जोन के संपत्ति कर अधिकारियों द्वारा विगत कई दिनों से डोर टू डोर एवं फील्ड में उपस्थित रहकर बड़े बकायदाओं को नोटिस देने, कुर्की करने की कार्यवाही के साथ ही बकाया राशि के संपत्ति कर को वसूलने की कार्यवाही की गई।

एक्टिवा चोरी

उज्जैन/ आर्य समाज मार्ग पर लकड़ी की लाल के पास से कोई अज्ञात बदमाश एक्टिवा चुरा कर ले गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली के अंतर्गत आर्य समाज मार्ग बहादुरगंज लकड़ी की टाल के पास से कोई अज्ञात बदमाश होंडा एक्टिवा क्रमांक एमपी 13 डीजेड 8555 चुरा कर ले गया है। यह जानकारी राम मनोहर पिता रूप नारायण झँवर उम्र 43 साल निवासी शिवांश पार्क देवास रोड ने दी।

कलाली के पीछे बैठकर जुआ खेलते पकड़ाए

उज्जैन/ कवेलू कर खाने में कली के पीछे बैठकर जुआ खेलते पकड़ए हैंप्राप्त जानकारी के अनुसार नील गंगा थाने के उप निरीक्षक मनोहर बड़ो दिया ने बताया कि कवेलू कारखाने में कली के पीछे बैठकर 2150 रुपए का दांव लगाते हुए पकड़ा है।

सार्वजनिक स्थान पर शराब खोरी करते दो पकड़ाएँ

उज्जैन/ सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते पुलिस ने दो को पकड़ा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना खाराकुआ के अंतर्गत मिर्जा न इम बेग मार्ग में कलाली के सामने से थाने के प्रधान आरक्षक वीर सिंह ने सार्वजनिक स्थान पर शराब खोरी करने के मामले में एक को पकड़ा है। इसी प्रकार थाने के प्रधान आरक्षक महिपाल सिंह ने कलाली के सामने मुख्य मार्ग पर शराब खोरी करते एक को पकड़ा है।

आवश्यकता है

- न्यूज एंकर
- सोश्यल मीडिया हैंडलर
- कैमरा मैन
- रिपोर्टर

की तत्काल आवश्यकता है।

सैलरी योग्यतानुसार–

मोबाईल नं.–

94253 12555

मुद्रक, प्रकाशन, **प्रधान संपादक-घनश्याम पटेल** द्वारा 97 ए, निकास रोड़ उज्जैन से प्रकाशित व भगवती ऑफसेट 44,बहादुरगंज उज्जैन से मुद्रित,फोन-0734-4218273, इंदौर कार्यालय सी-4/2 ओल्ड पलासिया पी.डब्ल्यू.डी. बंगला-18,इंदौर। फोन-0731-4239766,Email-shabdsaroverindujjain@gmail.com,आर.एन.आई.नं.56481/92, पो.रजि.नं.- एल-2/65/आरपीएन/390/2023-2025, **स्थानीय संपादक-जोगेश गोविंदानी।(समाचार चयन के लिए पीआरबीएक्ट के तहत जिम्मेदार)।**